मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 316
शनिवार, 06 जून 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

निराशावादी उड़ाते हैं 'आत्मनिर्भर भारत' का मजाकः पीएम मोदी

सूरत, 05 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के सूरत में एक जनसभा को संबोधित किया और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश में कुछ निराशावादी लोग हैं जो लगातार 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान का मजाक उड़ाते हैं और राष्ट्र के इस संकल्प को कमतर आंकते हैं। राहुल गांधी और कांग्रेस को निशाना बनाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ये लोग भूल जाते हैं कि दूसरों पर निर्भर देश कभी भी विकास की उन ऊंचाइयों को हासिल नहीं कर सकता जिनका वह वास्तव में हकदार है। आज देश में कुछ निराशावादी लोग हैं जो लगातार 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान का उपहास उड़ाते हैं। वे राष्ट्र के इस संकल्प को लगातार कमतर आंकते हैं। ये वे लोग हैं जिन्होंने हमेशा भारत को अन्य देशों पर निर्भर रखा है; वे भूल जाते हैं कि दूसरों पर निर्भर देश कभी भी विकास की उन ऊंचाइयों को प्राप्त नहीं कर सकता जिनका वह वास्तव में हकदार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पिछले 12 वर्षों से अराजकता और अनिश्चितता फैलाकर अवसर तलाश रही है, लेकिन देश की जनता ने उसे बार-बार मुंहतोड़ जवाब दिया है।

उन्होंने आगे कहा कि गुजरात की जनता ने कांग्रेस को हाशिये पर धकेल दिया है, लेकिन जहां कांग्रेस की सरकारें हैं, वहां भी जनता पार्टी के कुशासन से तंग आ चुकी है। अभी हाल ही में हिमाचल प्रदेश में भी स्थानीय निकाय चुनाव हुए। वहां कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। हिमाचल प्रदेश की जनता ने कांग्रेस के कुशासन को नकार दिया है। इससे पहले, कांग्रेस हरियाणा में स्थानीय निकाय चुनाव हार गई थी, और पंजाब की जनता ने भी पार्टी को स्पष्ट संदेश दिया है... अराजकता के बीच अवसर तलाशने की कांग्रेस की राजनीति नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि दुनिया अभूतपूर्व चुनौतियों के दौर से गुजर रही है। कुछ समय पहले मैंने कहा था कि यह दशक दुनिया के लिए आपदाओं का दशक साबित हो रहा है। हाल के दिनों में हमने एक के बाद एक वैश्विक आपदाएं देखी हैं। पहले कोविड-19 के कारण भीषण संकट आया; फिर विभिन्न स्थानों पर युद्ध छिड़ गए, और एक गंभीर ऊर्जा संकट ने पूरी दुनिया को अस्त-व्यस्त कर दिया है। दुनिया भर में पेट्रोल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव हो रहा है, और गैस आपूर्ति श्रृंखलाएं चरमरा रही हैं। मुझे इस बात से अत्यंत संतोष है कि 140 करोड़ भारतीयों के सामूहिक प्रयासों से देश हर संकट का मजबूती से सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार को लेकर जनता में भारी असंतोष है, और यही कारण है कि पार्टी को वहां अपना मुख्यमंत्री बदलना पड़ा। भारत नकारात्मकता से बहुत आगे निकल चुका है; यह आशावाद से परिपूर्ण और असाधारण आकांक्षाओं से प्रेरित राष्ट्र है। इसके नागरिक सपनों और दृढ़ संकल्प से भरे हुए हैं, और जनता उस संकल्प को वास्तविकता में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। जब राष्ट्र की सामूहिक इच्छाशक्ति इतनी दृढ़ होती है, तो वह किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है और इसी में भारत की सच्ची शक्ति निहित है।

के. अन्नामलाई के इस्तीफे का असरः तमिलनाडु बीजेपी में इस्तीफों की झड़ी, दो नेताओं ने छोड़ी पार्टी

तमिलनाडु, 05 जून। तमिलनाडु भाजपा को शुक्रवार को उस समय बड़ा झटका लगा जब पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई के इस्तीफे के कुछ ही घंटों बाद दो नेताओं ने पार्टी छोड़ दी। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष करुणा नागराजन और प्रदेश सचिव सुमति वेंकटेश ने भी अपना इस्तीफा दे दिया। नागराजन और वेंकटेश ने शुक्रवार को भाजपा से अपने इस्तीफे की पुष्टि की। भाजपा के तमिलनाडु के पूर्व उपाध्यक्ष ने अन्नामलाई की नई राजनीतिक पार्टी में शामिल होने की इच्छा जताई।

नागराजन ने कहा कि अन्नामलाई मुख्यमंत्री विजय ही नहीं, बल्कि किसी की भी गलतियों को उजागर करने में संकोच नहीं करते थे। खबरों के अनुसार, उन्होंने अन्नामलाई को विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक ज्ञान रखने वाला एक साहसी और सक्षम नेता बताया। इस बीच, वेंकटेश ने सोशल मीडिया पर अपना त्यागपत्र पोस्ट करते हुए कहा कि उन्होंने भारी मन से अपने पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है और पार्टी से अपना संबंध समाप्त कर रही हैं। उन्होंने लिखा कि पार्टी की सेवा करना मेरे लिए बहुत गर्व और सौभाग्य की बात रही है। मैं माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और भाजपा द्वारा प्रतिपादित राष्ट्रवाद, देशभक्ति और राष्ट्र सेवा के आदर्शों से अत्यंत प्रेरित हूं। इन मूल्यों ने मेरे पूरे सफर में मेरा मार्गदर्शन किया है और आगे भी करते रहेंगे। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई द्वारा भारतीय जनता पार्टी से इस्तीफा देने के बाद ये इस्तीफे सामने आए हैं, जिससे उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर हफ्तों से चल रही अनिश्चितता समाप्त हो गई है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और संगठनात्मक जिम्मेदारियों दोनों से उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है, जिससे भाजपा के साथ अन्नामलाई का छह साल का जुड़ाव समाप्त हो गया है।

बिहार एमएलसी रण में उतरे धुरंधर, बीजेपी ने पवन सिंह को दिया टिकट, जेडीयू ने भी जारी की लिस्ट

पटना, 05 जून। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को 2026 के बिहार विधानसभा द्विवार्षिक चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। पार्टी ने आगामी चुनावों के लिए भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह, डॉ. संजय मयूख, अनिल कुमार ठाकुर और शीला पंडित को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं, जनता दल (यूनाइटेड) ने शुक्रवार को 2026 बिहार विधानसभा द्विवार्षिक चुनाव और उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की।

पार्टी ने बिहार जेडीयू अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा द्वारा हस्ताक्षरित अधिसूचना के माध्यम से उम्मीदवारों की आधिकारिक सूची जारी की। इस घोषणा के साथ, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली पार्टी ने विधानसभा चुनावों के लिए अपनी तैयारियों की औपचारिक शुरूआत कर दी है, साथ ही सामाजिक प्रतिनिधित्व और संगठनात्मक शक्ति पर अपना ध्यान केंद्रित करने का संकेत भी दिया है। विधानसभा की खाली सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए जेडीयू ने शेखपुरा निवासी ललन प्रसाद पर भरोसा जताया है।

पार्टी नेतृत्व ने उन्हें उपचुनाव के लिए अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। इस खाली सीट के लिए होने वाले मुकाबले पर राजनीतिक जगत का काफी ध्यान जाने की उम्मीद है, खासकर तब जब पार्टियां अपनी चुनावी रणनीतियों को अंतिम रूप देने में जुट गई हैं। उम्मीदवारों की घोषणा के बाद, जेडीयू ने राज्य भर में अपने चुनाव अभियान की तैयारियों को तेज कर दिया है। पार्टी कार्यकताओं और संगठनात्मक इकाइयों को उम्मीदवारों का सक्रिय रूप से समर्थन करने और जमीनी स्तर पर जनसंपर्क प्रयासों को मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं।

कांग्रेस में बड़े फेरबदल की सुगबुगाहट, राजस्थान, दिल्ली और पंजाब सहित कई राज्यों में संगठन बदलने की तैयारी

नई दिल्ली, 05 जून। आगामी चुनावी चुनौतियों को देखते हुए कांग्रेस आलाकमान देश भर में अपने संगठनात्मक ढांचे में एक बड़ा और व्यापक बदलाव करने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी आधे दर्जन से अधिक राज्यों में अपने प्रदेश प्रभारियों और प्रदेश अध्यक्षों को बदलने की योजना पर काम कर रही है। इस पूरी कवायद में सबसे ज्यादा चर्चा राजस्थान को लेकर है, जहां एक बार फिर दिग्गज युवा नेता सचिन पायलट की भूमिका को लेकर सियासी बाजार गर्म है। इस पुनर्गठन प्रक्रिया ने पिछले हफ्ते तब गति पकड़ी, जब राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के बीच एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर खड़गे के कार्यकाल का यह आखिरी सबसे बड़ा सांगठनिक फेरबदल हो सकता है।

पार्टी का मुख्य ध्यान उन राज्यों पर है जहाँ अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में चुनाव होने हैं, इसलिए संगठनात्मक तैयारी एक अहम प्राथमिकता है।

कांग्रेस गुजरात और हिमाचल प्रदेश में होने वाले चुनावी मुकाबलों पर भी नजर बनाए हुए है, जहाँ अगले साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने की उम्मीद है। पंजाब को छोड़कर, इन सभी राज्यों में पार्टी का सीधा मुकाबला भारतीय जनता पार्टी से होने की संभावना है।

राजस्थान में भी नेतृत्व में बदलाव की संभावना है, जहाँ मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष का कार्यकाल खत्म हो चुका है। सूत्रों का कहना है कि राजस्थान कांग्रेस के अगले अध्यक्ष बनने की दौड़ में सचिन पायलट सबसे आगे हैं।

दिल्ली में भी मौजूदा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष का कार्यकाल जल्द ही खत्म होने वाला है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, वरिष्ठ नेता अभिषेक दत्त इस पद के लिए सबसे आगे चल रहे हैं। दिल्ली और राजस्थान के अलावा, पार्टी की व्यापक पुनर्गठन प्रक्रिया के तहत छत्तीसगढ़, केरल, तमिलनाडु और पंजाब में भी संगठनात्मक बदलाव की उम्मीद है।

कांग्रेस हरियाणा, असम, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के लिए भी नए राज्य प्रभारी नियुक्त कर सकती है। ये पद अलग-अलग कारणों से खाली हुए हैं और जल्द ही नियुक्तियों की घोषणा होने की संभावना है।

इस संभावित फेरबदल को कांग्रेस नेतृत्व की उस कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, जिसका मकसद अगले साल यूपी, पंजाब, मणिपुर, गोवा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और गुजरात में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी संगठन को मजबूत करना है। राजस्थान में 2028 में चुनाव होंगे।

लापता की तलाश

सुमन पुल्लूर
प्रजापति माताजी
उम्र – 67 वर्ष
दहिसर (पूर्व), मुंबई
दिनॉक
23/05/2026
समय
शाम 8 बजे से लापता है।

यदि आपको इनका कोई पता चले तो
कृपया तुरंत संपर्क करें

संपर्क – प्रदीप प्रजापति
मो. 8097426628
Dhan Nirankarji &
7977197822
9004316000
9768921570
9967816563
9867822957
7738476001

संपर्क – प्रजापति माताजी परिवार
7977197822
9004316000
9768921570
9967816563
9867822957
7738476001

आपकी छोटी सी जानकारी किसी अपने को घर वापस ला सकती है।

पश्चिम बंगाल राजनीति में भूचाल, ममता बनर्जी के 23 सांसद छोड़ सकते हैं पार्टी का साथ

कोलकता, 05 जून। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर चल रही राजनीतिक उथल-पुथल अब पश्चिम बंगाल से बाहर निकलकर संसद तक फैलती नजर आ रही है। सूत्रों ने इंडिया टुडे टीवी को बताया है कि 23 सांसद बागी विधायकों के एक समूह के संपर्क में हैं और आने वाले दिनों में पार्टी के संसदीय विंग में फूट पड़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में हुए बड़े विद्रोह के बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी में आंतरिक कलह गहराती जा रही है। हाल ही में विधानसभा में विधायकों के एक बड़े वर्ग ने ऋतब्रता बनर्जी के नेतृत्व में पार्टी के विधायी विंग से अलग होकर सदन में विपक्ष के नेता पद पर दावा पेश किया है।

सूत्रों के मुताबिक, टीएमसी सांसदों में भी असंतोष पनप रहा है, और कई सांसद पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी से कथित तौर पर नाखुश हैं। नेतृत्व के भीतर बढ़ती बेचैनी के चलते संसद में एक अलग गुट बनाने पर चर्चा शुरू हो गई है।

सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा सांसदों का एक वर्ग अलग गुट बनाने की संभावना तलाश रहा है, और बताया जा रहा है कि एक दर्जन से अधिक सांसद इसके पक्ष में हैं। खबरों के अनुसार, एक वरिष्ठ सांसद इस उभरते हुए बागी गुट का नेतृत्व कर रहे हैं, हालांकि चचाएं अभी शुरूआती दौर में हैं। इन आंकड़ों ने औपचारिक विभाजन की अटकलों को और हवा दी है। टीएमसी के पास वर्तमान में लोकसभा में 29 सांसद हैं, जबकि दलबदल विरोधी कानून के प्रावधानों के तहत सदन में एक अलग गुट के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए कम से कम 22 सांसदों की आवश्यकता होती है।

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
- 34+ Years of Academic Excellence
- Experienced & Dedicated Faculty
- Personal Attention
- Printed Notes & Regular Tests
- Strong Foundation for Boards & Competitive Exams

Santacruz Branch
101 Sai Chambers,
Opp. Santacruz Railway Station (East),
Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055

Sion Branch
Opp. SIES College (Old),
Near Gurukripa Hotel,
Sion (West), Mumbai

Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT
CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

तृणमूल कांग्रेस में टूट और ममता की बढ़ती चिन्ताएं

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), जिसने पिछले डेढ़ दशक से बंगाल की राजनीति पर लगभग एकाधिकार स्थापित कर रखा था, आज आंतरिक असंतोष, नेतृत्व संबंधी प्रश्नों और जनविश्वास के संकट से जूझती दिखाई दे रही है। पार्टी के भीतर असंतुष्ट नेताओं और विधायकों की गतिविधियों ने यह संकेत दिया है कि संगठनात्मक एकता में दरारें उभर रही हैं। यह स्थिति केवल किसी एक राजनीतिक दल का संकट नहीं है, बल्कि लोकतंत्र में राजनीतिक मूल्यों, जनभावनाओं और नेतृत्व की भूमिका पर पुनर्विचार का अवसर भी है। राजनीति में इतिहास बार-बार यह प्रमाणित करता रहा है कि जब भी सत्ता के साथ अहंकार जुड़ता है, जनता अंततः उसका उत्तर देती है। लोकतंत्र में जनता ही अंतिम निर्णायक होती है। चाहे वह इंदिरा गांधी का आपातकाल हो, पश्चिम बंगाल में वामपंथी शासन या दिल्ली में आम आदमी पार्टी का अंत या फिर उत्तर प्रदेश एवं बिहार की अनेक राजनीतिक घटनाएँ-हर जगह जनता ने यह संदेश दिया है कि सत्ता जनता की सेवा के लिए है, शासन के अहंकार के लिए नहीं।

-ललित गर्ग

ममता बनर्जी को कभी संघर्षशील, जुझारू और जननेता के रूप में देखा जाता था। उन्होंने वामपंथी शासन के लंबे दौर को समाप्त कर बंगाल में परिवर्तन का नया अध्याय लिखा। किंतु समय के साथ उनकी राजनीति पर अहंकारवाद, व्यक्तिवाद और तुष्टिकरण के आरोप बढ़ते गए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी के भीतर निर्णय प्रक्रिया का अत्यधिक केंद्रीकरण और कुछ व्यक्तियों का बढ़ता प्रभाव अनेक वरिष्ठ नेताओं को असहज करता रहा है। यही कारण है कि समय-समय पर असंतोष के स्वर उभरते रहे हैं। राजनीतिक टिप्पणीकारों द्वारा प्रकाशित विश्लेषणों में भी यह प्रश्न उठाया गया है कि यदि किसी दल में संगठन से अधिक व्यक्ति महत्वपूर्ण हो जाए, तो वहां असंतोष स्वाभाविक रूप से जन्म लेता है। हाल के घटनाक्रमों ने इस आशंका को और बल दिया है। जिस प्रकार पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता और विधायक नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं, उससे यह स्पष्ट होता है कि समस्या केवल व्यक्तियों की नहीं, बल्कि संगठनात्मक संस्कृति की भी है।

भारतीय राजनीति में हाल के वर्षों में आम आदमी पार्टी और उसके नेता अरविंद केजरीवाल का उदाहरण भी इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। वर्ष 2013 से लेकर 2024 तक दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी ने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से निकले केजरीवाल को जनता ने ईमानदार, पारदर्शी और वैकल्पिक राजनीति के प्रतीक के रूप में स्वीकार किया। लेकिन समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, विरोधियों के प्रति असहिष्णुता, राजनीतिक अहंकार और स्वयं को अजेय मान लेने की प्रवृत्ति उनके नेतृत्व पर हावी होती दिखाई दी। जनता ने देखा कि जो दल कभी राजनीतिक शुचिता और नैतिकता की बात करता था, वह भी सत्ता के उसी मोह और व्यक्तिकेंद्रित राजनीति का शिकार होता जा रहा है, जिसके विरुद्ध उसने संघर्ष प्रारम्भ किया था। परिणामस्वरूप दिल्ली की राजनीति में उसका प्रभाव कमजोर हुआ और जनता ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि लोकतंत्र में कोई भी नेता अथवा दल जनता से बड़ा नहीं होता। यह घटना इस सत्य को पुनः स्थापित करती है कि जनता लंबे समय तक अहंकार, अतिशयोक्ति और आत्ममुग्धता को स्वीकार नहीं करती।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के समक्ष खड़ी चुनौतियों को भी इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है। जब किसी दल का नेतृत्व स्वयं को संगठन और जनता से ऊपर मानने लगता है, तब असंतोष जन्म लेता है, कार्यकर्ता दूर होने लगते हैं और अंततः राजनीतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इतिहास बताता है कि लोकतंत्र में विनम्रता, संवाद, जनभावनाओं का सम्मान और राष्ट्रहित के प्रति प्रतिबद्धता ही स्थायी राजनीतिक सफलता की कुंजी हैं। किसी भी लोकतांत्रिक दल की शक्ति उसके विचार, संगठन और कार्यकर्ताओं में होती है, न कि केवल एक नेता में। जब दल विचारधारा की बजाय व्यक्तिपूजा पर आधारित होने लगते हैं, तब उनका संकट निश्चित हो जाता है। भारतीय राजनीति में अनेक उदाहरण हैं जहाँ परिवारवाद ने दलों की जड़ों को कमजोर किया। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विभाजन के पीछे भी नेतृत्व और उत्तराधिकार से जुड़े प्रश्न महत्वपूर्ण रहे हैं। बंगाल में भी इसी प्रकार की चर्चाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। तृणमूल कांग्रेस के सामने दूसरा बड़ा संकट उसकी सार्वजनिक छवि का है। शिक्षक भर्ती, नगर निकायों तथा अन्य प्रशासनिक मामलों से जुड़े विवादों ने जनता के मन में अनेक प्रश्न खड़े किए हैं। किसी भी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी जनता का विश्वास होता है। यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही कम हो रही है, तो राजनीतिक नुकसान होना स्वाभाविक है।

इसके साथ ही पश्चिम बंगाल में लंबे समय से चल रही पहचान, नागरिकता, सीमा सुरक्षा और अवैध घुसपैठ से जुड़ी बहसों ने भी राजनीतिक वातावरण को प्रभावित किया है। भारतीय जनता पार्टी ने इन मुद्दों को राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक अस्मिता के प्रश्न के रूप में प्रस्तुत किया। भाजपा का तर्क रहा है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि होना चाहिए और किसी भी प्रकार की तुष्टिकरण की राजनीति अंततः समाज को विभाजित करती है। यही कारण है कि बंगाल में भाजपा ने अपनी राजनीतिक रणनीति को राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक पहचान और सुशासन के मुद्दों पर केंद्रित किया। भाजपा की बंगाल यात्रा भी अपने आप में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक अध्ययन का विषय है। कभी केवल दो सीटों तक सीमित रहने वाली पार्टी आज राज्य की सत्ता शक्ति बन चुकी है। यह परिवर्तन अचानक नहीं हुआ। इसके पीछे वर्षों का संगठनात्मक विस्तार, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं का निर्माण, राष्ट्रीय नेतृत्व की सक्रियता तथा स्थानीय मुद्दों को राष्ट्रीय विमर्श से जोड़ने की रणनीति रही है। भाजपा ने बंगाल में यह संदेश देने का प्रयास किया कि वह केवल एक राजनीतिक विकल्प नहीं, बल्कि वैचारिक विकल्प भी है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि केवल राष्ट्रवाद या धार्मिक पहचान के आधार पर किसी भी दल की स्थायी सफलता सुनिश्चित नहीं होती। लोकतंत्र में जनता विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा भी चाहती है। इसलिए किसी भी राजनीतिक दल के लिए आवश्यक है कि वह राष्ट्रीय भावना के साथ-साथ जनकल्याणकारी नीतियों को भी प्राथमिकता दे। राष्ट्र और राजनीति का संबंध अत्यंत गहरा है। कोई भी राजनीतिक दल तभी दीर्घकालिक सफलता प्राप्त कर सकता है जब वह राष्ट्रहित, संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनभावनाओं के प्रति प्रतिबद्ध रहे। यदि कोई दल ऐसे तत्वों का समर्थन करता हुआ दिखाई देता है जो राष्ट्रीय एकता के विरुद्ध हों, तो जनता धीरे-धीरे उससे दूरी बनाने लगती है। भारत की लोकतांत्रिक चेतना इतनी परिपक्व हो चुकी है कि वह अंततः राष्ट्रहित और जनहित के बीच संतुलन स्थापित करने वाले नेतृत्व को ही स्वीकार करती है। पश्चिम बंगाल का वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य इसी सत्य की पुष्टि करता है। तृणमूल कांग्रेस के सामने चुनौती केवल बगावत या संगठनात्मक असंतोष नहीं है, बल्कि जनता के विश्वास को पुनः अर्जित करने की भी है। यदि पार्टी आत्ममंथन करती है, संगठन को लोकतांत्रिक बनाती है, पारदर्शिता बढ़ाती है और जनभावनाओं को समझने का प्रयास करती है, तो वह अपनी स्थिति को पुनः मजबूत कर सकती है। लेकिन यदि अहंकार, व्यक्तिवाद और तुष्टिकरण की राजनीति जारी रहती है, तो संकट और गहरा सकता है। यही लोकतंत्र का शाश्वत सत्य है और यही पश्चिम बंगाल की वर्तमान राजनीति का सबसे बड़ा सबक भी। लोकतंत्र का सबसे बड़ा संदेश यही है कि सत्ता स्थायी नहीं होती, किंतु मूल्य स्थायी होते हैं। राजनीतिक दल आते-जाते रहते हैं, लेकिन जनता की अपेक्षाएँ और राष्ट्र की आवश्यकताएँ हमेशा बनी रहती हैं। जो दल इन अपेक्षाओं को समझते हैं, वे इतिहास बनाते हैं और जो इन्हें अनदेखा करते हैं, वे इतिहास बन जाते हैं। आज बंगाल की राजनीति एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि तृणमूल कांग्रेस आत्मसुधार का मार्ग चुनती है या राजनीतिक पतन की ओर बढ़ती है।

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद अखिलेश यादव परेशान!

अशोक भाटिया

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद खास असर उत्तर प्रदेश की राजनीति और खासकर समाजवादी पार्टी पर पड़ा है। पहले उन्होंने राज्य में समाजवादी पार्टी ने चुनावी रणनीति और मैनेंजमेंट करने वाली कंपनी इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (IPAC) के साथ अपनी डील रद्द कर दी। यह डील कुछ महीने पहले पश्चिम बंगाल की तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सलाह पर ही हुई थी। बंगाल में टीएमसी और ममता की हार के बाद अखिलेश ने क्ढअउ के साथ करार से अपने हाथ पीछे खींच लिए हैं।अहम बात यह है कि तमिलनाडु में डीएमके और पश्चिम बंगाल में टीएमसी के चुनावी मैनेंजमेंट का काम कर रही थी। इन दोनों ही राज्यों में दोनों पार्टियों को बुरी हार का सामना करना पड़ रहा है। दिलचस्प बात यह भी है कि दोनों राजनीतिक दलों के सुप्रीमो यानी एमके स्टालिन और ममता बनर्जी तक अपनी ही सीट से चुनाव हार गए हैं। दोनों राज्यों की हार के बीच अखिलेश यादव ने एहतियात बरतने के संकेत दिए हैं और आईपैक से करार खत्म कर लिया है।

दरअसल, आईपैक के सूत्रों ने बताया कि इस साल की शुरूआत में सपा के साथ तय हुआ समझौता अब रद्द हो चुका है। ये घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आए हैं, जब पिछले महीने ईडी ने बंगाल कोयला तस्करी मामले में कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के तहत आई-पैक के निदेशक विनेश चंदेल को गिरफ्तार किया था। निदेशक के खिलाफ हुई इस कार्रवाई ने कंपनी के कामकाज पर संदेह पैदा कर दिया है। एक सूत्र ने कहा, हमारे कार्यालयों पर ईसी की छापेमारी और हमारे निदेशक (विनेश चंदेल) की गिरफ्तारी ने इस समझौते को अधर में लटका दिया है।

ईडी के निशाने पर आने के चलते आईपैक के राजनीतिक क्लाइंट्स की टेंशन भी बढ़ गई और चुनावी अभियान चलाने की फर्म की क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। एक अन्य सूत्र ने व्यापक राजनीतिक संदर्भ की ओर इशारा करते हुए कहा कि हालिया विधानसभा चुनावों के नतीजों ने भी सपा को पुनर्विचार करने पर मजबूर किया है, जिसके चलते उसने कंपनी के साथ अपने रिश्ते तोड़ दिया।एक अन्य सूत्र ने बताया, विधानसभा चुनावों में टीएमसी और डीएमके की हार ने सपा को व्याकुल कर दिया था। विश्वसनीयता पूरी तरह खत्म हो गई थी, खासकर तब जब ममता बनर्जी अपनी ही सीट से भारी अंतर से हार गईं। यही अंतिम झटका था। कुछ इसी तरह एमके स्टालिन भी तमिलनाडु में टीवीके प्रत्याशी से बुरी तरह हारे थे।

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में आईपैक के क्लाइंस्ट का प्रदर्शन इतना खराब रहा है कि सपा को आईपैक की क्षमता पर शक होने लगा था। सूत्रों के अनुसार, यह कंसलटेंसी कंपनी पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु दोनों राज्यों में चुनावी रणनीतियों से जुड़ी रही है, जहां चुनावी परिणाम उन पार्टियों की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहे जिन्हें वह सलाह दे रही थी। ईडी की छापेमारी के बाद के हफ्तों में आईपैक ने चुनावों से कुछ सप्ताह पहले बंगाल में अपने संचालन को काफी हद तक कम कर दिया है। सूत्रों ने बताया कि राज्य में कई कार्यालय या तो अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए थे या उनमें कर्मचारियों की संख्या बहुत कम कर दी गई थी, और गैर-जरूरी प्रचार कार्य रोक दिए गए थे। कम सक्रियता के कारण टीएमसी और आईपैक के बीच दूरियां और बढ़ गईं। आईपैक के कई सूत्रों ने पुष्टि की कि ईडी की छापेमारी के बाद टीएमसी नेताओं के साथ उनके संबंध खराब हो गए। एक सूत्र ने बताया, ह्लनेताओं को हमसे पूरी मदद की उम्मीद थी, खासकर चुनावों से पहले के दिनों में। हालांकि, जमीनी स्तर पर हमारी कम सक्रियता ने उन्हें बेहद नाराज कर दिया।

बंगाल-तमिलनाडु चुनाव नतीजों और सपा द्वारा कैंसिल की गई डील के घटनाक्रम का कंपनी के संगठन पर भी पड़ा है। सूत्रों ने बताया कि कंपनी ने उत्तर प्रदेश में अपना कार्यालय बंद कर दिया है और लगभग 30-40 नियुक्त लोगों को काम पर न आने के लिए कहा गया है। जिससे सपा चुनाव प्रचार की तैयारियों का काम पूरी तरह रुक जाने का संकेत मिलता है।आईपैक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्वीकार किया कि कई कारकों ने इस समझौते के टूटने में योगदान दिया। अधिकारी ने कहा, ह्लसपा के साथ समझौता करवाने में ममता बनर्जी ने अहम भूमिका निभाई थी लेकिन उत्तर प्रदेश परियोजना का नेतृत्व करने के लिए चुने जा रहे चंदेल की गिरफ्तारी ने योजना को खतरे में डाल दिया। साथ ही बीजेपी की ओर से भी समझौता रद्द करने का दबाव था।

इस झटके के बावजूद समाजवादी पार्टी द्वारा पेशेवर चुनाव प्रचार समर्थन को पूरी तरह से छोड़ने की संभावना नहीं है। सूत्रों के अनुसार आईपैक के पूर्व कर्मचारियों के नेतृत्व वाली एक अन्य फर्म 2027 के चुनावों से पहले पार्टी की सहायता करने की उम्मीद है। हालांकि, सपा के भीतर बाहरी सलाहकारों पर निर्भरता को लेकर बढ़ती बेचैनी दिखाई दे रही है।सपा के एक पदाधिकारी ने कहा कि यह फैसला अपेक्षित था। उन्होंने कहा कि पिछले महीने ईडी द्वारा चंदेल की गिरफ्तारी के बाद आईपैक के साथ समझौता तोड़ना लाजमी था। इससे सपा नेताओं के बीच आईपैक के भविष्य के कार्यों को लेकर अनिश्चितता का माहौल बन गया था।

पहले से परेशान अखिलेश को अगले साल विधानसभा के चुनाव के पहले राज्य के दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक वोट बैंक में अपनी पकड़ बढ़ाने के लिए आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष और नगीना से लोकसभा सांसद चंद्रशेखर आजाद ने नई परेशानी शुरू कर दी है . चंद्रशेखर आजाद ने 4 जून 2026 से प्रदेश भर में यात्रा शुरू करदी हैं। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के नेताओं ने बताया है कि चंद्रशेखर आजाद इस यात्रा के जरिए राज्य की सभी 403 विधानसभा सीटों को कवर करने वाले हैं। वे इस बार सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारने वाले हैं। विधानसभा चुनाव को लेकर अरढ के प्रदेश उपाध्यक्ष सौरभ किशोर ने को बताया, हम पूर्वांचल (पूर्वी उत्तर प्रदेश) से शुरूआत करेंगे और हमारे नेता पूरे राज्य का दौरा करेंगे।

आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के नेताओं ने कहा कि पार्टी का चुनाव अभियान दलितों, मुसलमानों और अति पिछड़े वर्ग (ईबीसी) समूहों पर केंद्रित होगा। अरढ इस बार के विधानसभा चुनाव में कम से कम 100 ईबीसी उम्मीदवारों को मैदान में उतारने की योजना बना रही है। सूत्रों के अनुसार अल्पसंख्यकों और पिछड़े वर्गों को उनकी जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। एक अहम बात यह भी है कि ASP सामान्य सीटों पर भी 50 दलित उम्मीदवारों को भी उतारने की योजना बना रही है, जो विपक्षी दलों के इंडिया ब्लॉक को करारा जवाब होगा। पार्टी नेताओं ने कहा कि उन्होंने मंडल और बूथ स्तर तक सभी जिलों और विधानसभा क्षेत्रों में संगठनात्मक ढांचा तैयार कर लिया है।

चंद्र शेखर की लोकप्रियता और अब पार्टी का विस्तार करने की उनकी महत्वाकांक्षाओं ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का ध्यान आकर्षित किया है। हाल ही, में समाजवादी पार्टी के कुछ सांसदों ने अध्यक्ष अखिलेश यादव से अपील की थी कि वे चंद्रशेखर से बातचीत शुरू करें, हालांकि अखिलेश ने अपने सांसदों के इस सुझाव को सिरे से खारिज कर दिया था। ध्यान देने वाली बात यह है कि समाजवादी पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग को ही टारगेट किया था।अखिलेश यादव ने इसे पीडीए का फॉमूर्ला बताया था। इसका पार्टी को फायदा भी मिला था। उस चुनाव में सपा-कांग्रेस का गठबंधन हुआ था। सपा को 37 और कांग्रेस को 6 सीटें मिली थी, जबकि भाजपा को उत्तरप्रदेश में ही बड़ा नुकसान हुआ था। सपा और कांग्रेस दोनों के नेताओं ने कहा कि इस पीडीए अभियान से उन्हें दलित वोट हासिल करने में मदद मिली लेकिन अब एएसपी (कांशी राम) विपक्ष के लिए खतरा बन गए हैं क्योंकि वे इन्हीं वोटों को विभाजित कर सकते हैं।

चंद्र शेखर ने बताया कि उनकी पार्टी से इंडिया ब्लॉक को नुकसान की चिंता है लेकिन ये सभी बेकार हैं। उन्होंने कहा, विपक्ष कहां है? वे बंगाल, केरल, दिल्ली , हरियाणा में एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। हर कोई सत्ता की कुर्सी चाहता है। हमने 2022 (विधानसभा चुनाव) और 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में एकजुट विपक्ष के लिए प्रयास किए। मुझे नहीं लगता कि सहयोगी दलों के बीच वोटों का ट्रांसफर होता है। चंद्रशेखर ने कहा, 2024 के बाद से कांग्रेस और सपा ने कितने उपचुनाव जीते हैं? राजनीति में कोई धन्यवाद नहीं कहता। जब किसी को आपकी जरूरत होती है, तभी मीठी-मीठी बातें करते हैं। अगर किसी को भाजपा को हराने में हमारी मदद चाहिए, तो उन्हें आकर हमसे बात करनी चाहिए।

अजय से योगी, योगी से राजयोगी : आध्यात्म, राष्ट्रवाद और सुशासन की अद्भुत गाथा

-सुरेश गांधी

54वें जन्मदिवस पर विशेष

भारत की राजनीति में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जो केवल पद से नहीं, बल्कि अपने प्रभाव से पहचाने जाते हैं। वे अपने समय की राजनीति को दिशा देते हैं, विमर्श बदलते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अलग प्रतिमान स्थापित करते हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ऐसे ही व्यक्तित्व हैं। 5 जून को जब योगी आदित्यनाथ अपना 54वां जन्मदिवस मना रहे हैं, तब यह अवसर केवल एक नेता के जीवन का उत्सव नहीं, बल्कि उस असाधारण यात्रा का स्मरण भी है जिसने अजय सिंह बिष्ट को योगी आदित्यनाथ और योगी आदित्यनाथ को भारतीय राजनीति का एक प्रभावशाली राजयोगी बना दिया। उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के छोटे से गांव पंचूर में 5 जून 1972 को जन्मे अजय सिंह बिष्ट ने शायद स्वयं भी नहीं सोचा होगा कि एक दिन वे भारत के सबसे बड़े राज्य के मुख्यमंत्री बनेंगे और उनके शासन मॉडल की चर्चा पूरे देश में होगी। पिता आनंद सिंह बिष्ट और माता सावित्री देवी के सात बच्चों में पांचवें स्थान पर जन्मे अजय बचपन से ही अनुशासित, जिज्ञासु और अध्ययनशील थे। गणित विषय से स्नातक करने वाला यह युवक जीवन की सामान्य राह छोड़कर आध्यात्म की कठिन राह चुन लेगा, यह उस समय किसी ने नहीं सोचा था।

जब अजय बने योगी

साल 1993 में गणित से एमएससी की पढ़ाई के दौरान उनका गोरखपुर आगमन हुआ। यह यात्रा केवल भौगोलिक नहीं थी, बल्कि नियति की ओर बढ़ता हुआ एक निर्णायक कदम थी। गोरखनाथ मंदिर की आध्यात्मिक आभा और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ का सान्निध्य उनके जीवन की दिशा बदल गया। 15 फरवरी 1994 को उन्होंने दीक्षा ग्रहण की और अजय सिंह बिष्ट से योगी आदित्यनाथ बन गए। महज 22 वर्ष की आयु में सांसारिक जीवन का त्याग कर संन्यास का वरण करना साधारण निर्णय नहीं होता। यह वही क्षण था जिसने भविष्य के राजयोगी की नींव रखी। नाथ परंपरा में कहा जाता है कि योग केवल शरीर का अनुशासन नहीं, बल्कि आत्मा और समाज दोनों के प्रति उत्तरदायित्व का मार्ग है। योगी आदित्यनाथ ने इसी परंपरा को आत्मसात किया।

26 वर्ष की आयु में सांसद, राजनीति में धमाकेदार प्रवेश

साल 1998 में महंत अवेद्यनाथ ने उन्हें अपना उत्तराधिकारी घोषित करते हुए लोकसभा चुनाव मैदान में उतारा। परिणाम चौंकाने वाला था। महज 26 वर्ष की आयु में योगी आदित्यनाथ सांसद चुने गए और देश के सबसे युवा सांसदों में शामिल हो गए। इसके बाद 1998, 1999, 2004, 2009 और 2014–लगातार पांच बार लोकसभा चुनाव जीतकर उन्होंने ऐसा रिकॉर्ड बनाया जिसने पूर्वांचल की राजनीति में उन्हें एक अजेय शक्ति के रूप में स्थापित कर दिया। उनकी सभाएं केवल राजनीतिक आयोजन नहीं होती थीं, बल्कि वैचारिक आंदोलनों का स्वरूप ले लेती थीं।

हिंदुत्व का मुखर चेहरा

योगी आदित्यनाथ का नाम आते ही हिंदुत्व की राजनीति का एक मजबूत अध्याय सामने आता है। राम मंदिर आंदोलन के बाद जिस पीढ़ी ने हिंदुत्व को जन-आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया, उसमें योगी का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। धर्मांतरण, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, गौसंरक्षण और धार्मिक पहचान जैसे विषयों पर उन्होंने हमेशा मुखर भूमिका निभाई। यही कारण रहा कि समर्थकों ने उन्हें हिंदुत्व का पुरोधा माना तो विरोधियों ने भी उनकी राजनीतिक शक्ति को गंभीरता से लिया। पचरुखिया कांड से लेकर गोरखपुर के राजनीतिक संघर्षों तक अनेक विवाद उनके साथ जुड़े, लेकिन हर विवाद ने उनके जनाधार को और व्यापक बनाया।

बागी तेवर और अडिग व्यक्तित्व

योगी आदित्यनाथ की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने अपनी बात कहने में कभी संकोच नहीं किया। वर्ष 2007 और 2009 के दौरान जब भाजपा संगठनात्मक चुनौतियों से जूझ रही थी, तब उन्होंने खुलकर अपनी राय रखी। उनके तेवरों ने कई बार राजनीतिक हलकों में हलचल पैदा की, लेकिन अंततः पार्टी नेतृत्व ने उनकी जनस्वीकार्यता और प्रभाव को स्वीकार किया। यहीं से राष्ट्रीय राजनीति में उनका कद तेजी से बढ़ना शुरू हुआ।

योगी आदित्यनाथ जी से खास बातचीत

हिमालय की शांत वादियों में बसे एक छोटे से गांव पंचूर से निकला एक युवा जब 22 वर्ष की आयु में सांसारिक जीवन त्यागकर संन्यास की राह पर चला, तब शायद किसी ने नहीं सोचा था कि यही युवक एक दिन देश के सबसे बड़े राज्य की राजनीति का सबसे प्रभावशाली चेहरा बनेगा। यह कहानी केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि उस संकल्प, साधना और नेतृत्व की है जिसने उत्तर प्रदेश की राजनीति और प्रशासन दोनों को नई दिशा दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जीवन विरोधाभासों को साध लेने की एक अद्भुत मिसाल है। एक ओर वे नाथ परंपरा के सन्यासी हैं, तो दूसरी ओर करोड़ों लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले जननेता। मंदिर की घंटियों और सत्ता के गलियारों के बीच उन्होंने ऐसा संतुलन स्थापित किया, जिसने उन्हें भारतीय राजनीति में विशिष्ट पहचान दिलाई। उनके समर्थक उन्हें हिंदुत्व का सबसे मुखर चेहरा मानते हैं, जबकि प्रशासनिक हलकों में उनकी पहचान तेज निर्णय क्षमता और परिणामोन्मुखी कार्यशैली वाले मुख्यमंत्री के रूप में है। पिछले वर्षों में उत्तर प्रदेश ने जिस बदलाव का अनुभव किया, उसमें कानून-व्यवस्था से लेकर आधारभूत संरचना, निवेश, पर्यटन और सांस्कृतिक पुनर्जागरण तक अनेक आयाम शामिल हैं। यही कारण है कि आज श्योगी मॉडलश केवल एक राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बन चुका है। 54वें जन्मदिवस पर योगी आदित्यनाथ का व्यक्तित्व एक ऐसे राजनेता के रूप में सामने खड़ा दिखाई देता है, जिसकी यात्रा साधना से शुरू होकर सुशासन की नई परिभाषा तक पहुंचती है

संत की दिनचर्या, योद्धा का संकल्प

योगी आदित्यनाथ का जीवन आज भी एक साधक की तरह अनुशासित माना जाता है। सुबह तीन बजे से शुरू होने वाली दिनचर्या देर रात तक चलती है। योग, ध्यान, पूजा-पाठ, गोसेवा, जनता दरबार और प्रशासनिक बैठकों के बीच उनका दिन बीतता है। कहा जाता है कि वे शायद ही चार-पांच घंटे से अधिक विश्राम करते हों। उनकी यही कार्यशैली उन्हें सामान्य राजनीतिज्ञों से अलग पहचान देती है। गोरक्षपीठ के महंत होने के बावजूद वे आधुनिक प्रशासनिक तंत्र को उसी दक्षता से संचालित करते हैं जैसे कोई अनुभवी प्रबंधक।

2017 : जब बदली उत्तर प्रदेश की दिशा

19 मार्च 2017 भारतीय राजनीति के इतिहास में एक महत्वपूर्ण तिथि बन गई। भाजपा की ऐतिहासिक जीत के बाद योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। यह निर्णय जितना अप्रत्याशित था, उतना ही प्रभावशाली भी। उस समय उत्तर प्रदेश अपराध, माफियावाद, भ्रष्टाचार और अव्यवस्था की छवि से जूझ रहा था। योगी ने सत्ता संभालते ही स्पष्ट संदेश दिया–ह्लकानून का राज स्थापित होगा ह्व यहीं से शुरू हुआ उत्तर प्रदेश के परिवर्तन का नया अध्याय।

बुलडोजर : एक मशीन से बढ़कर प्रतीक

योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल तक आते-आते बुलडोजर केवल निर्माण या ध्वस्तीकरण का उपकरण नहीं रहा। यह प्रशासनिक इच्छाशक्ति का प्रतीक बन गया। अवैध कब्जों, भूमाफियाओं और संगठित अपराध के खिलाफ जिस प्रकार की कार्रवाई हुई, उसने शासन की नई पहचान गढ़ी। समर्थकों ने इसे कानून के राज की स्थापना बताया। राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे ह्लयोगी मॉडलह्व का सबसे चर्चित प्रतीक माना। आज देश के कई राज्यों में प्रशासनिक सख्ती की चर्चा होती है तो उत्तर प्रदेश का उदाहरण अवश्य दिया जाता है।

विकास की नई इबारत

यदि कोई योगी आदित्यनाथ को केवल बुलडोजर तक सीमित कर देखता है, तो वह उनके शासन की आधी तस्वीर ही देखता है। वास्तविक कहानी विकास की है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे, गंगा एक्सप्रेस-वे, डिफेंस कॉरिडोर, मेडिकल कॉलेजों का विस्तार, नए एयरपोर्ट, निवेश शिखर सम्मेलन और औद्योगिक विकास की परियोजनाओं ने उत्तर प्रदेश की आर्थिक तस्वीर बदल दी। कभी निवेशकों के लिए चुनौतीपूर्ण माने जाने वाले प्रदेश में आज देश-विदेश की कंपनियां निवेश के अवसर तलाश रही हैं। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

2022 : इतिहास रचने वाला जनादेश

25 मार्च 2022 को योगी आदित्यनाथ ने दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। यह जीत केवल चुनावी विजय नहीं थी। उत्तर प्रदेश के राजनीतिक इतिहास में 37 वर्षों बाद किसी मुख्यमंत्री की पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में वापसी हुई थी। गोरखपुर शहर विधानसभा सीट से रिकॉर्ड मतों से जीत दर्ज कर उन्होंने पहली बार विधायक बनने का गौरव भी प्राप्त किया। यह जनादेश उनके नेतृत्व, प्रशासन और विकास मॉडल पर जनता की मुहर माना गया।

राष्ट्रीय राजनीति का उभरता केंद्र

आज योगी आदित्यनाथ केवल उत्तर प्रदेश के नेता नहीं हैं। वे भाजपा के सबसे लोकप्रिय स्टार प्रचारकों में शामिल हैं। गुजरात से लेकर पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र से लेकर दक्षिण भारत तक उनकी सभाओं की मांग बनी रहती है। उनकी राजनीतिक शैली, स्पष्ट वक्तव्य और राष्ट्रवादी दृष्टिकोण ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दी है। यही कारण है कि समर्थकों के बीच उन्हें भविष्य के राष्ट्रीय नेतृत्व की संभावनाओं से भी जोड़कर देखा जाता है।

योगी : एक व्यक्ति नहीं, एक विचार

54 वर्ष की आयु में योगी आदित्यनाथ का जीवन अनेक भूमिकाओं का संगम है–संत, महंत, सांसद, मुख्यमंत्री और जननेता। उन्होंने यह सिद्ध किया है कि आध्यात्म और प्रशासन परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हो सकते हैं। पंचूर का वह बालक जिसने हिमालय की गोद में आंखें खोली थीं, आज करोड़ों लोगों की आशाओं का केंद्र बन चुका है। उनकी यात्रा बताती है कि संकल्प यदि अटल हो तो साधना सत्ता को दिशा दे सकती है और आध्यात्म विकास का आधार बन सकता है। योगी आदित्यनाथ के 54वें जन्मदिवस पर यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि वे केवल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि एक ऐसे युग की पहचान बन चुके हैं जिसमें हिंदुत्व, राष्ट्रवाद, सुशासन और विकास एक साथ चलते दिखाई देते हैं। और शायद यही कारण है कि आज उनके समर्थक उन्हें केवल योगी नहीं, बल्कि राजयोगी कहकर संबोधित करते हैं।

युवाओं में बढ़ती निराशा और दिशा का अभाव

-विक्रम दयाल

भीड़ भरी सड़कों, चमकती रोशनियों और तेज रफ्तार जिंदगी के बीच एक अजीब-सी खामोशी छिपी है–यह खामोशी है आज के युवाओं के मन की। बाहर से आत्मविश्वास से भरे, सपनों से सजे हुए दिखने वाले ये युवा भीतर ही भीतर एक गहरी उलझन और निराशा से जूझ रहे हैं। सवाल यह है कि आखिर क्यों? आज का युवा अवसरों से भरे युग में जी रहा है। तकनीक, शिक्षा, करियर–हर क्षेत्र में संभावनाएँ पहले से कहीं अधिक हैं। फिर भी, दिशा का अभाव और असफलता का डर उसे लगातार अस्थिर कर रहा है। विकल्पों की अधिकता ने निर्णय को आसान नहीं, बल्कि और जटिल बना दिया है। हर रास्ता सही लगता है, और हर मोड़ पर भ्रम खड़ा हो जाता है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि आज सफलता को एक ही मापदंड से देखा जाने लगा है–अच्छी नौकरी, ऊँची सैलरी और सामाजिक प्रतिष्ठा। इस सीमित परिभाषा ने युवाओं के सपनों को भी सीमित कर दिया है। जो इस ढाँचे में फिट नहीं बैठते, वे खुद को असफल मानने लगते हैं, भले ही उनमें अनगिनत अन्य योग्यताएँ क्यों न हों। इसके साथ ही, तुलना की प्रवृत्ति ने इस निराशा को और गहरा कर दिया है। सोशल मीडिया पर दूसरों की परफेक्ट जिंदगी देखकर युवा अपनी वास्तविकता से असंतुष्ट हो जाता है। उसे लगता है कि वह पीछे छूट रहा है, जबकि सच्चाई यह है कि हर व्यक्ति की यात्रा अलग होती है। परिवार और समाज की अपेक्षाएँ भी इस दबाव को बढ़ाती हैं। कई बार युवा अपने सपनों के बजाय दूसरों की इच्छाओं को पूरा करने की कोशिश करता है, और इसी प्रक्रिया में अपनी पहचान खो बैठता है। जब वह खुद को समझ नहीं पाता, तो दिशा का अभाव स्वाभाविक हो जाता है। लेकिन क्या यह स्थिति अटल है? बिल्कुल नहीं। सबसे पहले, हमें यह समझना होगा कि निराशा कोई कमजोरी नहीं, बल्कि एक संकेत है–यह बताती है कि हमें रुककर अपने भीतर झाँकने की जरूरत है। युवाओं को चाहिए कि वे अपने रुचियों, क्षमताओं और मूल्यों को पहचानें, और उसी के अनुसार अपने जीवन की दिशा तय करें। इसके साथ ही, असफलता को भी जीवन का हिस्सा मानना होगा। हर गिरावट हमें कुछ सिखाती है, और हर अनुभव हमें मजबूत बनाता है। जरूरी यह नहीं कि हम कितनी बार गिरे, बल्कि यह है कि हम हर बार उठकर आगे बढ़ने की हिम्मत रखते हैं या नहीं। समाज और परिवार की भी जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को केवल परिणाम के आधार पर न आँकें, बल्कि उनके प्रयास और संघर्ष को भी समझें। उन्हें ऐसा वातावरण दें, जहाँ वे बिना डर के अपने विचार व्यक्त कर सकें और अपने सपनों का पीछा कर सकें। अंततः, दिशा बाहर कहीं नहीं मिलती, वह हमारे भीतर ही छिपी होती है। जब हम खुद को समझने लगते हैं, तो रास्ते अपने आप स्पष्ट होने लगते हैं। संदेश यही है–अपनी तुलना दूसरों से नहीं, अपने कल से कीजिए; क्योंकि असली दिशा वही है, जो आपको आपके सच्चे स्वरूप के करीब ले जाए।

नवी मुंबई में सनसनी: शिवसेना नेता साहिल देवीदास चौगुले पर दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग के आरोप, गिरफ्तारी की मांग तेज

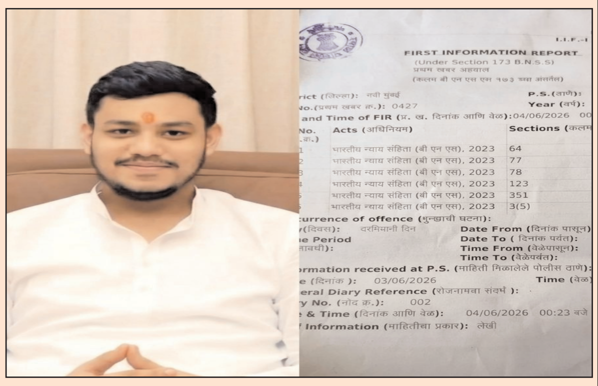

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। नवी मुंबई रबाले पुलिस थाने में दर्ज एक एफआईआर के बाद शिवसेना नेता साहिल देवीदास चौगुले के खिलाफ कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। एक महिला ने उन पर दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग, नशीला पदार्थ देकर शोषण करने तथा जान से मारने की धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस के अनुसार, एफआईआर क्रमांक 0427/2026 भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 64, 77, 78, 123, 351 एवं 3(5) के तहत दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता महिला का दावा है कि उसने अपने आरोपों के समर्थन में व्हाट्सएप चैट, कॉल रिकॉर्डिंग तथा अन्य डिजिटल साक्ष्य पुलिस को सौंपे हैं। मामले को लेकर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के युवा नेता अवधेश शुक्ला ने कहा कि वे रबाले पुलिस स्टेशन तथा नवी मुंबई के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के संपर्क में हैं और शिकायतकर्ता को न्याय दिलाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। फिलहाल रबाले पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने और उपलब्ध साक्ष्यों के परीक्षण के बाद ही मामले की वास्तविकता स्पष्ट हो सकेगी। उल्लेखनीय है कि किसी भी आपराधिक मामले में आरोपों की सत्यता का अंतिम निर्धारण न्यायालय की प्रक्रिया और जांच के निष्कर्षों के आधार पर ही किया जाता है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर संजय उपाध्याय का संकल्प, 10000 पेड़ों का स्मार्ट मूल्यांकन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की संकल्पना और पालकमंत्री आशीष शेलार की पहल पर बोरीवली क्षेत्र में लगभग 10 हजार पेड़ों का अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और LiDAR (लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग) तकनीक के माध्यम से स्मार्ट मूल्यांकन किया जाएगा। इस अभिनव उपक्रम का शुभारंभ 6 जून को बोरीवली पश्चिम स्थित आर/सेंट्रल मनपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में किया जाएगा। इस बात की जानकारी बोरीवली से भाजपा विधायक संजय उपाध्याय ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना का उद्देश्य पेड़ों की संख्या, स्वास्थ्य, ऊंचाई, घनत्व, पर्यावरणीय योगदान और संरक्षण की आवश्यकता का वैज्ञानिक एवं डिजिटल आधार पर आकलन करना है। अक और LiDAR तकनीक के उपयोग से पेड़ों का सटीक डेटा तैयार किया जाएगा, जिससे शहरी हरित क्षेत्र के संरक्षण और नियोजन में मदद मिलेगी।कार्यक्रम का आयोजन बृहन्मुंबई महानगरपालिका तथा स्माइल काउंसिल के विशेष सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम 6 जून 2026 को सुबह 9:45 बजे आर/सेंट्रल मनपा कार्यालय, चंदावरकर लेन, बोरीवली (पश्चिम) में आयोजित होगा। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, मनपा अधिकारियों, पर्यावरण विशेषज्ञों तथा नागरिकों की उपस्थिति रहने की संभावना है। यह पहल मुंबई में हरित संपदा के संरक्षण और आधुनिक तकनीक आधारित पर्यावरण प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

नशामुक्त मुंबई अभियान, 5 लाख लोग लेंगे नशामुक्ति की शपथ

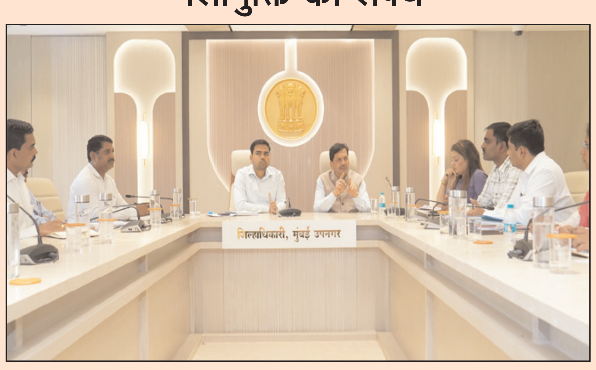

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मार्गदर्शन में तथा मुंबई उपनगर जिले के सह-पालक मंत्री एवं कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा की पहल पर नशामुक्त मुंबई का व्यापक अभियान चलाया जा रहा है, जिसे मुंबई शहर एवं उपनगरों में बड़े पैमाने पर लागू किया जाएगा। आगामी 25 जून 2026 को इस अभियान का शुभारंभ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों होगा। इसी दिन 5 लाख से अधिक मुंबईवासी शहरभर के 5,000 स्थानों पर एकत्रित होकर नशामुक्ति की शपथ लेंगे। इस अभियान की घोषणा महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर की गई थी। विद्यालय, महाविद्यालय, आवासीय परिसर, हाउसिंग सोसायटियाँ तथा विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाएँ इस पहल में बड़े पैमाने पर सहभागी होंगी। अभियान की तैयारियों के संबंध में मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने आज मुंबई उपनगर जिले के जिलाधिकारी सौरभ कटियार तथा संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा कि नशामुक्त मुंबई का निर्माण सरकार, प्रशासन और समाज की सक्रिय भागीदारी से ही संभव हो सकेगा। हमारी आने वाली पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित रखने के लिए प्रत्येक नागरिक का इस अभियान में सहभागी होना अत्यंत आवश्यक है। यह एक जन आंदोलन है और इसके माध्यम से निश्चित रूप से सकारात्मक परिवर्तन आएगा। श्री लोढ़ा ने विश्वास व्यक्त किया कि इस पहल से युवाओं में जागरूकता बढ़ेगी तथा मादक पदार्थों के विरुद्ध एक मजबूत सामाजिक वातावरण का निर्माण होगा।

भिवंडी विकास योजना में आम लोगों के घरों पर बुलडोजर नहीं चलने देंगेः सांसद सुरेश म्हात्रे

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा के विकास आराखड़े (डेवलपमेंट प्लान) को लेकर सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि यदि विकास आराखड़े के नाम पर आम नागरिकों के घरों को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया तो वे चुप नहीं बैठेंगे। जानकारी के अनुसार, टेमघर निवासी राजेश म्हात्रे ने सांसद सुरेश म्हात्रे से मुलाकात कर अपनी समस्या रखी। उनका आरोप है कि उनके घर के समीप स्थित सड़क को विकास आराखड़े में जानबूझकर उनकी ओर मोड़ दिया गया है, जिससे उनका मकान प्रभावित हो रहा है। उनका कहना है कि मूल योजना में

सड़क की चौड़ाई और दिशा अलग थी, लेकिन कुछ लोगों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से इसमें बदलाव किया गया। शिकायत मिलने के बाद सांसद सुरेश म्हात्रे ने नगररचना विभाग के सहायक संचालक नितिन जाधव से मुलाकात का समय लिया था। शुक्रवार को वे भिवंडी मनपा मुख्यालय पहुंचे, लेकिन संबंधित अधिकारी मौजूद नहीं थे। इसके बाद उन्होंने विभाग के अधिकारी अजय साबले से चर्चा की और अपनी नाराजगी जाहिर की। सांसद म्हात्रे ने कहा कि भिवंडी का विकास आराखड़ा किसे फायदा पहुंचाने के लिए बनाया गया है, इससे उन्हें कोई मतलब नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास आराखड़े में दो बार बदलाव किए गए हैं। यदि किसी प्रभावशाली व्यक्ति को बचाने के लिए योजना में फेरबदल किया जा रहा है और उसकी वजह से किसी आम नागरिक का घर उजड़ रहा है, तो वे इसका कड़ा विरोध करेंगे। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे इस बात का जवाब जरूर मांगेंगे कि सीधी सड़क को आखिर क्यों और किसके हित में मोड़ा गया। बड़े लोगों के साथ सांठगांठ कर आम जनता को परेशान करने का कोई भी प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सांसद सुरेश म्हात्रे ने कहा कि आम नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए वे हर स्तर पर संघर्ष करेंगे और किसी भी परिवार को अन्याय का शिकार नहीं होने देंगे।

कीवी जनरल इंश्योरेंस ने भारतीय बाजार में प्रवेश किया

मुंबई। डिजिटल युग की नई बीमा कंपनी, कीवी जनरल इंश्योरेंस ने भारत के बाजार में आधिकारिक रूप से प्रवेश करने की घोषणा की है। कंपनी का मुख्य मंत्र ₹योर पीस, अवर पॉलिसी₹ है, जिसका मकसद ग्राहकों के लिए इंश्योरेंस को आसान, तेज और भरोसेमंद बनाना है। कंपनी ने अपने काम की शुरूआत निजी कारों के मोटर बीमा से की है, जिसे सिर्फ प्रीमियम वसूलने के लिए नहीं, बल्कि दावों को आसानी से निपटाने के इर्द-गिर्द खास तौर पर तैयार किया गया है।

इस कंपनी की स्थापना इंडस्ट्री के दिग्गजों नीलेश गर्ग और सौरव जायसवाल ने की है। कीवी को मार्च 2026 में नियामकीय मंजूरी मिली और इसे वेस्टब्रिज कैपिटल का पूरा सहयोग हासिल है, जो इसकी महत्वाकांक्षा को विश्वसनीयता और दीर्घकालिक विस्तार देता है। अपनी खुद की बनाई हुई इन-हाउस टेक्नोलॉजी स्टैक के दम पर, कीवी को इस तरह डिजाइन किया गया है कि पुरानी और पेचीदा रुकावटों को खत्म करके ग्राहक-केंद्रित अंडरराइटिंग के आधार पर हाइपर-पर्सनलाइज्ड समाधान दिए जा सकें। मोटर इंश्योरेंस को कीवी ने जानबूझकर अपना पहला बड़ा प्रोडक्ट चुना है, क्योंकि इस क्षेत्र में ग्राहकों की तकलीफें साफ दिखती हैं और बड़े पैमाने पर फैली हुई हैं। लोग अक्सर इस डर से क्लेम करने से हिचकिचाते हैं कि कहीं उनके फायदे खत्म न हो जाएं, क्लेम मिलने की प्रक्रिया बहुत धीमी और अस्पष्ट होती है, और गाड़ी की दुरुस्ती करने के दौरान ग्राहकों को कोई सहयोग भी नहीं मिलता।

पालघर में विश्व पर्यावरण दिवस पर 300 वृक्षों का रोपण, पर्यावरण संरक्षण की ली गई शपथ

पालघर(उत्तरशक्ति)। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर शुक्रवार 5 जून 2026 को पालघर पुलिस दल और ब्लिस जी.वी.एस. फार्मा लिमिटेड के संयुक्त प्रयास से पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पालघर में एक भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली और कार्यालय परिसर में कुल ३०० नए पेड़ लगाये गये। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संवर्धन और हरित पहल के महत्व पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में पालघर के पुलिस अधीक्षक यतिश देशमुख, पुलिस उप अधीक्षक (गृह) रविंद्र नाईक के साथ-साथ अन्य पुलिस अधिकारी व पुलिस कर्मी एवं ब्लिस जी.वी.एस. फार्मा लिमिटेड के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

रिक्षा जलने के बाद महेश गायकवाड़ ने बनाकर दिया नया जैसा रिक्षा

कल्याण (उत्तरशक्ति)। मानवता, सामाजिक जिम्मेदारी और जरूरतमंदों की मदद की भावना को साकार करने वाली एक प्रेरणादायक घटना कल्याण शहर में सामने आई है। रिक्षाचालक श्याम लोंढे की आजीविका का एकमात्र साधन उनकी रिक्षा पिछले महीने आग लगने से पूरी तरह जलकर खाक हो गई थी। इस दुर्घटना के बाद उनके परिवार के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया था। रोजगार ठप होने से परिवार के भरण-पोषण का सवाल खड़ा हो गया था।

श्याम लोंढे की इस मुश्किल परिस्थिति की जानकारी मिलते ही शिवसेना के संपर्क प्रमुख महेश गायकवाड़ ने तुरंत पहल करते हुए उनकी मदद के लिए आगे कदम बढ़ाया। लोंढे की स्थिति का जायजा लेने के बाद उन्होंने उन्हें नया जैसा रिक्षा बनाकर उपलब्ध कराई। इस मदद से लोंढे का रोजगार फिर से शुरू होने का रास्ता साफ हो गया और उनके परिवार को बड़ी राहत मिली है।

रिक्षा की चाबी प्राप्त करते समय श्याम लोंढे भावुक हो गए। उन्होंने महेश गायकवाड़ का आभार व्यक्त करते हुए कहा, ‍ह्नरिक्षा जलने के बाद मेरे और मेरे परिवार पर बड़ा संकट आ गया

था। अब रिक्षा मिलने से मैं फिर से काम शुरू कर सकूंगा। यह मदद मेरे लिए एक नई जिंदगी की शुरूआत है। इस मौके पर महेश गायकवाड़ ने कहा, समाज में कई परिवार ऐसे संकटों का सामना करते हैं। ऐसे समय में केवल सहानुभूति जताना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि वास्तविक मदद के लिए आगे आना जरूरी है। श्याम लोंढे की रिक्षा जलने से उनका रोजगार छिन गया था और परिवार के सामने जीवनयापन का संकट खड़ा हो गया था। अगर समाज के सक्षम लोग जरूरतमंदों की मदद करें, तो कई परिवारों का जीवन फिर से पटरी पर आ सकता है। यह सहायता सामाजिक कर्तव्य की भावना से की गई है और आगे भी जरूरतमंदों के साथ खड़े रहेंगे,महेश ने यह भी कहा कि मुझे काम करने की प्रेरणा सांसद डॉ श्रीकांत शिंदे से मिली है।

शिवसेना में शिवदयाल मिश्रा को मिली बड़ी जिम्मेदारी, उत्तर भारतीय सेल के जिला प्रमुख नियुक्त

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर भारतीय समाज के युवा और ऊर्जावान चेहरा कहे जाने वाले शिवदयाल मिश्रा को शिवसेना ने बड़ी जिम्मेदारी दी है। उन्हें उत्तर मुंबई का जिला प्रमुख नियुक्त किया गया है। शिवसेना सचिव संजय मोरे द्वारा जारी नियुक्ति पत्र में कहा गया है कि शिवसेना प्रमुख हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे के आशीर्वाद तथा शिवसेना के मुख्यनेता और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के निर्देश पर उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। नियुक्ति पत्र में विश्वास व्यक्त किया गया है कि शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे के हिंदुत्ववादी विचारधारा और धर्मवीर आनंद दिघे

द्वारा दी गई शिक्षा के अनुरूप शिवदयाल मिश्रा पार्टी के प्रचार प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करेंगे। शिवदयाल मिश्रा ने दी गई जिम्मेदारी के लिए महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे,आमदार प्रकाश सुर्वे, उत्तर भारतीय शिवसेना नेता तथा पूर्व सांसद संजय निरुपम, उत्तर भारतीय सेल के मुंबई अध्यक्ष जयप्रकाश सिंह और विभाग प्रमुख दहिसर, राम यादव का आभार मानते हुए कहा कि वे पूरी मेहनत, लगन और समर्पित भावना के साथ उत्तर भारतीय समाज को शिवसेना से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करेंगे। उन्हें पूरा विश्वास है कि उत्तर भारतीय समाज के हित के लिए उनके द्वारा किए गए पूर्ववर्ती कार्यों का उन्हें पूरा लाभ मिलेगा। ज्ञातव्य हो कि श्री मिश्रा के सामाजिक और राजनीतिक कार्यों से प्रभावित होकर मागाठाणे के लोकप्रिय शिवसेना विधायक प्रकाश सुर्वे ने उन्हें पार्टी में प्रवेश कराया और उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

गोवंडी में नाले निर्माण की मांग को लेकर संजीव उपाध्याय ने मनपा एम पूर्व के सहायक आयुक्त को लिखा पत्र

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मानसून जल्द ही आने वाला है। इसके बाद भी शिवाजी नगर गोवंडी एम - पूर्व विभाग के अंतर्गत आने वाले इंदिरा नगर, बैगनवाड़ी रोड नंबर 15 में बरसाती पानी की निकासी के लिए कोई ठोस उपाय नहीं किया गया है। बता दें कि क्षेत्र में बारिश से पहले तीन फुट चौड़े नाले के निर्माण की मांग को लेकर मदरसा फैजान ए गरीब नवाज ट्रस्ट द्वारा दिनांक 1 जून 2026 को मनपा प्रशासन को आवेदन दिया गया है। इस आवेदन पर मुंबई विभागीय राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) के मुंबई उपाध्यक्ष संजीव उपाध्याय ने सहायक आयुक्त, एम -पूर्व व कार्यकारी अभियंता परिरक्षण विभाग को पत्र लिखकर तत्काल कार्रवाई की

मांग की है।

मनपा एम पूर्व के सहायक आयुक्त को लिखे पत्र में उपाध्याय ने उल्लेख किया है कि संबंधित क्षेत्र में जलनिकासी की गंभीर समस्या है, जिससे स्थानीय नागरिकों को बारिश के दौरान भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ट्रस्ट की ओर से दिए गए आवेदन पत्र में मनपा एम पूर्व प्रशासन से मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए जल्द नाला निर्माण कार्य शुरू करने की अपील की गई है। मुंबई उपाध्यक्ष संजीव उपाध्याय (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी)की ओर से दिए गए पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि बरसात शुरू होने से पहले नाले का निर्माण पूरा होना आवश्यक है, ताकि जलभराव और गंदे पानी की समस्या से नागरिकों को राहत मिल सके। उल्लेखनीय है कि गोवंडी और आसपास के इलाकों में अनधिकृत एवं मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर लगातार शिकायतें सामने आती रही हैं। इसलिए इस विषय को मनपा गम्भीरता से लेकर जल्द से जल्द नाला निर्माण कराए ऐसी अपील उपाध्याय की ओर से निवेदन पत्र मे की गई है।

आईकैप अध्ययन में खुलासा: पुनयोर्जी कृषि से बढ़ी उत्पादकता और मिट्टी की सेहत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। यूनाइटेड वे मुंबई द्वारा इंडिया क्लाइमेट एक्शन प्रोजेक्ट के तहत हाल ही में किए गए एक अध्ययन में सामने आया है कि पुनयोर्जी कृषि पद्धतियों से मिट्टी की नमी बनाए रखने की क्षमता में 40 प्रतिशत तक वृद्धि होती है, साथ ही कृषि उत्पादकता में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिलता है। महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में किए गए इस अध्ययन से पुनयोर्जी कृषि के पर्यावरणीय और आर्थिक प्रभावों से जुड़े कई महत्वपूर्ण निष्कर्ष सामने आए हैं। एचएसबीसी के सहयोग से संचालित इंडिया क्लाइमेट एक्शन प्रोजेक्ट (ICAP) वर्ष 2024 में शुरू की गई तीन वर्षीय कार्य-आधारित अनुसंधान पहल है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य मिट्टी के स्वास्थ्य, जल संरक्षण और जैव विविधता पर विशेष ध्यान देते हुए जलवायु-अनुकूल और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए साक्ष्य-आधारित जानकारी और ज्ञान संसाधनों का निर्माण करना है।

जल-संकटग्रस्त क्षेत्रों में पुनयोर्जी कृषि की आर्थिक व्यवहार्यताः मराठवाड़ा के अनुभवों का अध्ययन शीर्षक से किए गए इस

अध्ययन में महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में पुनयोर्जी कृषि पद्धतियां अपनाने वाले किसानों के अनुभवों का विस्तृत विश्लेषण किया गया। पर्यावरणीय प्रभावों के मूल्यांकन के साथ-साथ इस कृषि पद्धति को अपनाने और इसके व्यापक विस्तार को प्रभावित करने वाले विभिन्न व्यावहारिक पहलुओं का भी अध्ययन किया गया। इनमें बाजार तक पहुंच, संस्थागत सहयोग, किसानों का कौशल विकास तथा क्षमता निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कारकों को शामिल किया गया।

अध्ययन में भाग लेने वाले किसानों द्वारा अनुभव किए गए आर्थिक लाभों को भी दर्ज किया गया है। जीवामृत और दशपर्णी जैसे स्थानीय स्तर पर तैयार किए जाने वाले प्राकृतिक कृषि संसाधन के उपयोग से खेती की लागत में कमी देखी गई।

इसके साथ ही, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार और फसलों की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ने से श्रम की आवश्यकता कम हुई तथा कीट एवं रोगों से होने वाले नुकसान में भी कमी आई। इन निष्कर्षों से स्पष्ट होता है कि पुनयोर्जी कृषि न केवल खेती की कार्यक्षमता बढ़ाने में सहायक है, बल्कि जल-संकटग्रस्त क्षेत्रों में पर्यावरणीय स्थिरता और टिकाऊ कृषि को मजबूत करने की भी व्यापक क्षमता रखती है।

रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर के 2026-27 सत्र के प्रेसिडेंट का 7 जून को शपथ ग्रहण समारोह

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले की औद्योगिक नगरी बोईसर के प्रतिष्ठित सामाजिक संगठन रोटरी क्लब ऑफ बोईसरझ्रतारापुर द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए नवनियुक्त अध्यक्ष रोटेरियन डॉ. प्रवीण वैश्य के पदस्थापना (इंस्टॉलेशन) एवं नई कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन रविवार 7 जून 2026 को सायं 6 बजे टीमा ऑडिटोरियम, बोईसर-तारापुर में किया जायेगा। इस समारोह के मुख्य अतिथि रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3141 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन राजन दुआ होंगे। कार्यक्रम में रोटरी के वरिष्ठ पदाधिकारी, रोटेरियन परिवार, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। इस मौके पर वर्ष 2025-26 के अध्यक्ष रोटेरियन राम नारायण गोयल के नेतृत्व में क्लब द्वारा संपन्न कराये गये लगभग 50 जनहितकारी एवं उत्कृष्ट सेवा प्रकल्पों की उपलब्धियों को भी रेखांकित किया जायेगा। समाजसेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान एवं सफल नेतृत्व

के लिए उन्हें डिस्ट्रिक्ट गवर्नर द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया जायेगा। नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. प्रवीण वैश्य आगामी सत्र 2026-27 के लिए क्लब की कार्ययोजना एवं सेवा परियोजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत करेंगे। इनमें पर्यावरण संरक्षण, मोतियाबिंद ऑपरेशन, क्षय (टीबी) रोगियों के लिए पौष्टिक आहार वितरण, वृक्षारोपण, रक्तदान अभियान, विद्यालयों में स्वच्छ पेयजल एवं स्वच्छ शौचालय सुविधाएं, ब्रेस्ट एवं सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग शिविर तथा जयपुर फुट वितरण जैसी महत्वपूर्ण सामाजिक परियोजनाएं शामिल हैं। समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप देने में वर्तमान अध्यक्ष राम नारायण गोयल (जिनका कार्यकाल 30 जून तक है)प्रोजेक्ट डायरेक्टर संदीप राऊत, शैलेश अग्रवाल, स्मिता जाधव एवं रत्ना सिंह सहित क्लब के सदस्य सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। आयोजकों के अनुसार यह समारोह रोटरी की सेवा, नेतृत्व एवं सामाजिक प्रतिबद्धता का उत्सव होगा। कार्यक्रम का समापन सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों के लिए आयोजित स्नेहभोज के साथ होगा।

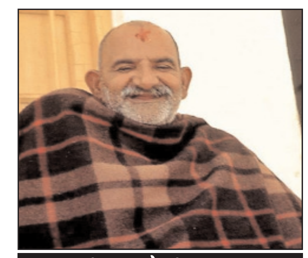

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय:

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

राहनाल ग्राम पंचायत का स्वच्छता अभियान सफल, मेरी वसुंधरा अभियान 7.0 के तहत चला जनजागरण अभियान

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र शासन के मेरी वसुंधरा अभियान 7.0 के अंतर्गत राहनाल ग्राम पंचायत द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्वच्छता अभियान उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा नागरिकों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था।अभियान के तहत ग्राम पंचायत परिसर सहित गांव के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। प्रभारी सरपंच प्रताप पाटिल के नेतृत्व में आयोजित इस

कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सदस्य मनीषा भोईर, दीपक भोईर, उमेश पाटिल, पूर्व पंचायत समिति सभापति ललिता प्रताप पाटिल, ग्राम पंचायत कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। सभी सहभागी लोगों ने गांव की सड़कों, सार्वजनिक स्थलों एवं आसपास के क्षेत्रों से कचरा एकत्र कर सफाई की। साथ ही नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाते हुए स्वच्छता बनाए रखने, वृक्षों के संरक्षण, प्लास्टिक के कम उपयोग तथा कचरे के उचित प्रबंधन के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर प्रभारी सरपंच प्रताप पाटिल ने कहा कि स्वच्छ, सुंदर और हरित गांव के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है।

शासन की पर्यावरण हितैषी योजनाओं में सक्रिय सहयोग से गांव के विकास को नई गति मिलेगी। ऐसे अभियान समाज में सकारात्मक संदेश देने के साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता भी बढ़ाते हैं ‍ह्व अभियान में ग्राम पंचायत पदाधिकारियों, कर्मचारियों एवं ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

परिश्रम संस्था का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचानाः कृपाशंकर सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 54वें जन्मदिवस एवं विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सामाजिक संस्था परिश्रम द्वारा एक भव्य एवं ऐतिहासिक जनसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के अध्यक्ष कृपाशंकर सिंह एवं सचिव एडवोकेट अखिलेश चौबे के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में 54 दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल तथा 54 छात्राओं को

परिश्रम ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिखाया अनूठा संगम

साइकिल वितरित की गई। साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अतिथियों ने एक पेड़ मा के नाम लगाकर पौधरोपण किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 11 किलो के मावा के केक का काटकर उत्साहपूर्वक जन्मोत्सव मनाया गया। उपस्थित लोगों ने मुख्यमंत्री के स्वस्थ, दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की कामना की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद के.पी. सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि सामाजिक संस्था परिश्रम द्वारा किया जा रहा यह कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

समाज के सहयोग से ही ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम होते हैं सफलः अखिलेश चौबे

के जन्मदिवस को जनसेवा और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ना एक सराहनीय पहल है। इससे समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता का संदेश जाता है।

मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर परिश्रम संस्था ने वितरित किया साइकिल ट्राइसाइकिल

संस्था के अध्यक्ष कृपाशंकर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है और उनके जन्मदिवस पर जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित कर संस्था ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का प्रयास किया है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

संस्था के सचिव एडवोकेट अखिलेश चौबे ने सभी अतिथियों, सहयोगियों एवं उपस्थित जनसमूह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के सहयोग से ही ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम सफल होते हैं। उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने की बात कही। इसके बाद अतिथियों ने ट्राइसाइकिल एवं साईकिल प्राप्त किये लाभार्थियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया,साइकिल प्राप्त करते ही छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। छात्राओं ने कहा कि अब उन्हें विद्यालय आने-जाने में काफी सुविधा होगी, जिससे उनकी शिक्षा प्रभावित नहीं होगी। वहीं ट्राइसाइकिल पाकर दिव्यांगजन भी भावुक हो उठे और संस्था के इस मानवीय प्रयास की सराहना की।

कार्यक्रम के समापन पर देशभक्ति गीतों की मधुर धुनों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। डीजे पर बज रहे राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत गीतों के बीच दिव्यांगजन अपनी नई ट्राइसाइकिलों पर तथा छात्राएं अपनी साइकिलों के साथ एक कतार में आगे बढ़ती दिखाई दीं। यह दृश्य उपस्थित लोगों के लिए अत्यंत भावुक और प्रेरणादायक रहा। पूरे परिसर में उत्साह, सेवा भावना और सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम ने न केवल मुख्यमंत्री के जन्मदिवस को यादगार बनाया बल्कि समाज सेवा, शिक्षा प्रोत्साहन और पर्यावरण संरक्षण का एक सशक्त संदेश भी दिया। यह आयोजन जनपद जौनपुर में लंबे समय तक एक ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम के रूप में याद किया जाएगा।

इस मौके पर जौनपुर पूर्व मंत्री जगदीश सोनकर, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, मछलीशहर भाजपा जिला अध्यक्ष अजय सिंह, सुरेंद्र प्रताप सिंह पूर्व विधायक, हरेन्द्र प्रसाद सिंह पूर्व विधायक जाफराबाद, सुषमा पटेल पूर्व विधायक, प्रदेश प्रवक्ता ओमप्रकाश सिंह, सतीश कुमार सिंह पूर्व प्रत्याशी मल्हनी, सुनील यादव मम्मन, राघवेंद्र सिंह प्रबंधक टीडी डिग्री कालेज, सत्य प्रकाश सिंह प्रबंधक टीडी इंटर कॉलेज, सत्य प्रकाश सिंह सिंह प्रिंसिपल टीडी इंटर कॉलेज, ऋतु राज सिंह छोटू समाजसेवी, सत्येंद्र सिंह फंटू, बृजेश यादव प्रमुख खुटहन, राहुल सिंह प्रमुख रामपुर ब्लॉक प्रमुख, मुकेश सिंह डोभी, वीरेंद्र एडवोकेट, सुशील मिश्रा पूर्व जिला महामंत्री, पप्पू माली सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

वाराणसी को मिले थे दो जांबाज अफसर, अब तबादले के बाद लोग करेंगे याद

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और अपराधियों पर लगातार नकेल कसने वाले एसीपी सारनाथ विदुष सक्सेना और एसीपी दशाश्वमेध डॉ. अतुल अंजन त्रिपाठी के स्थानांतरण के बाद आम जनता और पुलिस महकमे में उनकी कार्यशैली की चर्चा हो रही है। अपने कार्यकाल के दौरान दोनों अधिकारियों ने सख्त पुलिसिंग,त्वरित कार्रवाई और जनसुनवाई को प्राथमिकता दी। अपराध नियंत्रण और जनता के साथ बेहतर संवाद की वजह से उन्होंने अलग पहचान बनाई।अब उनके तबादले के बाद लोग यही कहते नजर आ रहे हैं। अफसर आएंगे और जाएंगे, लेकिन अपनी कार्यशैली से पहचान बनाने वाले अधिकारी हमेशा याद रखे जाते हैं।

एसीपी डॉ अतुल अंजान त्रिपाठी | एसीपी विदुष सक्सेना

थानाध्यक्ष सुजानगंज को हस्त निर्मित चित्र देकर किया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।स्थानीय क्षेत्र पूराकोदई गांव निवासी सन्तोष कुमार तिवारी द्वारा थानाध्यक्ष सुजानगंज अमित पांडे को हस्त निर्मित सम्मान चित्र देकर सम्मानित किया गया। प्राप्त जानकारी अनुसार हस्त निर्मित चित्र को सन्तोष कुमार तिवारी की पुत्री द्वारा बनाया गया था, जिसमें सहयोगी गण बच्चियां जैसे यू ट्यूबर कुमारी वैभवी तिवारी एवं कुमारी सौम्या पुत्री सन्तोष कुमार तिवारी द्वारा हस्त निर्मित सम्मान चित्र बाल विश्वविद्यालय वाराणसी से लाकर थानाध्यक्ष सुजानगंज अमित पांडे को सम्मान के रूप में भेंट किया गया। थानाध्यक्ष द्वारा आभार व्यक्त किया गया। इस मौके पर मानस तिवारी,अजय निर्मल, वरुण यादव, रवि गुप्ता,गया पटेल, विकास सिंह ग्राम प्रधान फरीदाबाद, राकेश तिवारी, आदि लोग उपस्थित रहे।

दुगाकुंड चौकी पुलिस की तत्परता से महिला को मिला खोया हुआ मोबाइल

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई का एक सराहनीय उदाहरण उस समय देखने को मिला, जब बिहार से काशी दर्शन के लिए आई एक महिला का खोया हुआ मोबाइल पुलिस ने खोजकर उसे वापस दिला दिया। मोबाइल मिलने के बाद महिला ने वाराणसी पुलिस के प्रति आभार व्यक्त करते हुए पुलिस की कार्यशैली की प्रशंसा की। जानकारी के अनुसार, बिहार के औरंगाबाद जनपद के रफीगंज क्षेत्र स्थित ग्राम प्रकृपा की निवासी चंचला कुमारी, पत्नी विकास कुमार, मंगलवार 3 जून 2026 को वाराणसी स्थित त्रिदेव मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए आई थीं। दर्शन के दौरान मंदिर परिसर में पानी पीते समय वह अपना मोबाइल फोन वहीं भूल गईं। कुछ देर बाद जब उन्हें मोबाइल के गुम होने का एहसास हुआ तो उन्होंने काफी तलाश की, लेकिन मोबाइल नहीं मिला। मोबाइल न मिलने पर चंचला कुमारी ने तत्काल भेलूपुर थाना क्षेत्र की दुगाकुंड चौकी पहुंचकर एक लिखित प्रार्थना पत्र दिया और अपना मोबाइल के खोने की सूचना पुलिस को दी। शिकायत मिलते ही चौकी प्रभारी रणजीत कुमार श्रीवास्तव तथा कांस्टेबल दुर्गेश कुमार सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई शुरू की। पुलिसकर्मियों ने अपने अनुभव, सूझबूझ और सक्रियता का परिचय देते हुए मोबाइल की खोजबीन शुरू की। आसपास के लोगों से पूछताछ करने तथा उपलब्ध जानकारी के आधार पर जांच की गई। कुछ ही समय में पुलिस टीम ने महिला का मोबाइल बरामद कर लिया और उसे सुरक्षित रूप से वापस सौंप दिया। अपना खोया हुआ मोबाइल वापस मिलने के बाद चंचला कुमारी ने वाराणसी पुलिस का धन्यवाद करते हुए कहा कि पुलिस की तत्परता और सहयोग से उन्हें उनका मोबाइल वापस मिल सका। उन्होंने बताया कि वह पुलिस की कार्रवाई से पूरी तरह संतुष्ट हैं और अब इस संबंध में किसी प्रकार की आगे की कानूनी कार्रवाई नहीं चाहती हैं। इस घटना ने एक बार फिर साबित किया है कि वाराणसी पुलिस आम नागरिकों की सहायता और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य कर रही है। स्थानीय लोगों ने भी दुगाकुंड चौकी पुलिस के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए पुलिस टीम को बधाई दी है।

महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ सपा का कलेक्ट्रेट पर विशाल धरना-प्रदर्शन

पेपर लीक, फर्जी एनकाउंटर और कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर सरकार को घेरा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, पेपर लीक तथा कथित फर्जी एनकाउंटर जैसे मुद्दों को लेकर विशाल धरना-प्रदर्शन जारी प्रदर्शन में जिले भर से बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, समर्थक एवं पदाधिकारी शामिल सपा नेताओं ने केंद्र और प्रदेश सरकार की नीतियों को जनविरोधी बताते हुए विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर जोरदार विरोध दर्ज कराया। धरने को संबोधित करते हुए सपा नेताओं ने कहा कि प्रदेश और देश में लगातार बढ़ रही महंगाई ने आम जनता का जीना मुश्किल कर दिया है। खाद्य पदार्थों, रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल तथा दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महंगाई पर नियंत्रण पाने में पूरी तरह विफल साबित हुई है।

वक्ताओं ने बेरोजगारी के मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए कहा कि प्रदेश का युवा रोजगार के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है। सरकारी विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती नहीं की जा रही है और जो भर्तियां निकलती हैं, उनमें भी अनियमितताओं तथा पेपर लीक की घटनाओं के कारण युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो

रहा है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र बार-बार लीक होने से लाखों अभ्यर्थियों की मेहनत पर पानी फिर रहा है और युवाओं का सरकार से विश्वास उठता जा रहा है।

सपा नेताओं ने प्रदेश में बढ़ते भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासनिक व्यवस्था में भ्रष्टाचार व्याप्त है, जिससे आम जनता को न्याय पाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही उन्होंने प्रदेश में हुए कथित फर्जी एनकाउंटरों की निष्पक्ष और न्यायिक जांच कराए जाने की मांग की।

धरने के दौरान वक्ताओं ने कहा कि सरकार जनता के मूलभूत मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है, जबकि किसानों, युवाओं, मजदूरों और व्यापारियों की समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाना जनता का अधिकार है और समाजवादी पार्टी जनहित के मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष करती रहेगी। महंगाई पर नियंत्रण, युवाओं को रोजगार, पेपर लीक की घटनाओं पर रोक, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने तथा कथित फर्जी एनकाउंटरों की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की।

धरना-प्रदर्शन को देखते हुए कलेक्ट्रेट परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी पूरे समय मौके पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, जिला पदाधिकारी, फ्रंटल संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

जौनपुर पुलिस महकमे में नई जिम्मेदारीः अनीता सिंह संभालेंगी नगर कोतवाली की कमान

प्रियेश गुप्ता रुद्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद की कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन ने महत्वपूर्ण प्रशासनिक बदलाव किया है। इसी क्रम में पुलिस विभाग ने अनीता सिंह को नगर की महत्वपूर्ण कोतवाली का नया प्रभारी निरीक्षक नियुक्त किया है। नई तैनाती के बाद अनीता सिंह ने पदभार ग्रहण करते हुए कहा कि अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा, जनसुनवाई और पुलिस-जनता के बीच बेहतर संवाद उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित और निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित करने के साथ-साथ क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

नगर कोतवाली जनपद की प्रमुख थानों में गिनी जाती है, ऐसे में उनकी नियुक्ति को पुलिस प्रशासन की महत्वपूर्ण रणनीतिक पहल माना जा रहा है। स्थानीय लोगों और व्यापारिक संगठनों ने भी नई प्रभारी निरीक्षक के आगमन पर बेहतर पुलिसिंग की उम्मीद जताई है। नगर कोतवाली को मिली नई कमान, अनीता सिंह बनीं प्रभारी निरीक्षक; कानून-व्यवस्था और जनसुनवाई पर रहेगा विशेष फोकस।

पीयूकैट-2026 के लिए 29 व 30 जून को होगी प्रवेश परीक्षा, करे आवेदन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पीयूकैट-2026 की अधिसूचना जारी कर दी है। सत्र 2026-27 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया 08 मई 2026 से विश्वविद्यालय के समर्थ पोर्टल पर शुरू हो चुकी है।

विश्वविद्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार इच्छुक अभ्यर्थी प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। साथ ही, पात्रता परीक्षा के अंतिम सेमेस्टर अथवा अंतिम वर्ष की परीक्षा में सम्मिलित होने वाले छात्र-छात्राएं भी आवेदन करने के पात्र होंगे।

पीयूकैट-2026 की प्रवेश परीक्षा 29 एवं 30 जून 2026 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा के बाद 30 जून 2026 की सायं उत्तर कुंजी जारी की जाएगी, जबकि 05 जुलाई 2026 को परिणाम घोषित होगा। इसके बाद 09 जुलाई 2026 से काउंसिलिंग प्रक्रिया प्रारंभ होगी।

पीयू कैट के समन्वयक प्रो. मिथिलेश सिंह ने बताया कि जिन पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी, उन विषयों में भी 09 जुलाई 2026 से संबंधित विभागों द्वारा काउंसिलिंग कराई जाएगी।

विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में सत्र 2026-27 के प्रवेश हेतु समर्थ पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 8 मई 2026 से शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय परिसर में इस वर्ष कुल 56 विषयों एवं एक सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाएगा। इनमें डिप्लोमा, स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम शामिल हैं। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित पात्रता के अनुसार ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार विषयवार सीटों, पात्रता एवं प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

संविदा कर्मियों को स्मार्ट मीटर, रिवेन्यू व शटडाउन पर विशेष प्रशिक्षण, दिलाई गयी सुरक्षा शपथ

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के डब्लू राजातालाब आराजी लाइन विकासखंड क्षेत्र के सभी विद्युत उपकेंद्रों के संविदा कर्मियों की ठठरा उपकेंद्र पर

स्मार्ट मीटर,रिवेन्यू व शटडाउन के संबंध में एक आवश्यक बैठक किया गया। बैठक के दौरान स्मार्ट मीटर के नेगेटिव बैलेंस, जून माह का रिवेन्यू टारगेट, सेफ्टी उपकरणों के इस्तेमाल और शटडाउन लेकर सुरक्षित कार्य करने की जानकारी दी गयी।लाइनमैन और स्टाफ को सुरक्षा मानकों के पालन पर प्रशिक्षण दिया गया।अंत में सभी कर्मियों को सुरक्षा उपकरणों का नियमित प्रयोग करने की शपथ दिलाई गयी।कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी राजेश कुमार यादव,अवर अभियंता अखिलेश यादव और अवर अभियंता विनम्र पटेल मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पीयू में हुआ पौधरोपण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर तथा केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) भवन परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. वन्दना सिंह ने अशोक का पौधा लगाकर किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. वन्दना सिंह ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों का स्मरण कराता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की अनिवार्य आवश्यकता बन चुका है। वृक्षारोपण, जल संरक्षण तथा स्वच्छ पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता ही आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य प्रदान कर सकती है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव ने विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों से पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद सिंह, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. मनोज पांडेय, राधेश्याम सिंह, उत्कर्ष सिंह, शीलनिधि सिंह, सर्वेश यादव सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

कोर्ट के आदेश के बीच निर्माण का खेल, पुलिस पर संरक्षण देने के आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के बंजारेपुर निवासी अन्सार अहमद ने पुलिस अधीक्षक जौनपुर को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि न्यायालय में विचाराधीन भूमि पर विपक्षी पक्ष द्वारा जबरन निर्माण कार्य कराने का प्रयास किया जा रहा है। शिकायतकर्ता का कहना है कि मामले में न्यायालय के स्पष्ट आदेशों के बावजूद निर्माण की तैयारी की जा रही है।

प्रार्थना पत्र के अनुसार भूमि विवाद से संबंधित वाद संख्या 219/2012 अन्सार अहमद बनाम समसुद्दीन सिविल न्यायालय में विचाराधीन है। मामले में न्यायालय द्वारा यथास्थिति बनाए रखने के आदेश जारी किए गए हैं। आरोप है कि इसके बावजूद विपक्षी पक्ष मौके पर ईंट, बालू, सीमेंट सहित अन्य निर्माण सामग्री एकत्र कर निर्माण कार्य कराने की कोशिश कर रहा है।

शिकायतकर्ता का यह भी आरोप है कि निर्माण कार्य का विरोध करने पर उसे जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से मामले में हस्तक्षेप कर न्यायालय के आदेशों का पालन सुनिश्चित कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर पुलिस की भूमिका भी चर्चा का विषय बनी हुई है। क्षेत्र में तैनात कस्बा चौकी प्रभारी रवि प्रकाश को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनाती के चलते उनकी कार्यशैली को लेकर चर्चाएं बनी हुई हैं। हालांकि पुलिस पर लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है और विभाग की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

अब निगाहें पुलिस प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं। देखना होगा कि न्यायालय में विचाराधीन इस मामले में कानून का पालन किस प्रकार सुनिश्चित कराया जाता है और शिकायतकर्ता को न्याय दिलाने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर कांग्रेस का वृक्षारोपण अभियान, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा सुख्खीपुर स्थित कांग्रेस कैंप कार्यालय पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम शहर कांग्रेस अध्यक्ष आरिफ खान के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता की।

इस अवसर पर शहर अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि देश वर्तमान समय में गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रहा है। बढ़ते प्रदूषण, घटते वन क्षेत्र और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव आम जनजीवन पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसके लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की अपील करते हुए कहा कि पेड़-पौधे ही जीवन का आधार हैं और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की सबसे बड़ी गारंटी हैं। प्रदेश सचिव सत्यवीर सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण किसी एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक सतत जनआंदोलन है। उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के बढ़ते दोहन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में पर्यावरणीय संकट और गहरा सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देती रही है और पर्यावरण संरक्षण भी उसके प्रमुख सरोकारों में शामिल है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी कार्यकताओं ने पौधारोपण कर पर्यावरण को स्वच्छ, सुरक्षित एवं हरित बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता लाल प्रकाश पाल, शहर उपाध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट वरुण शंकर चतुवेर्दी, शाहनवाज मंजूर, सभासद मोहम्मद ताहिर, मोहम्मद सोनू, रईस अहमद, जैद सिद्दीकी, शारिक हुसैन, उमर, चंद्रशेखर यादव, कृष्ण कुमार साहू सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जल, जंगल जमीन हमारी संस्कृति की आधारशिलाः डा.विवेक पांडेय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पर्यावरण विज्ञान विभाग के समर ट्रेनिंग छात्रों ने रूरल कलीचाबाग स्थित जल कल विभाग में मिशन लाइफ के अंतर्गत पर्यावरण दिवस 2026 ₹इंस्पायर बाय नेचरः फॉर क्लाइमेट, फॉर आवर फ्यूचर₹ पर कार्यक्रम आयोजित कर पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने का आह्वान किया। सहायक आचार्य डॉ. विवेक कुमार पाण्डेय ने कहा कि जल, जंगल और जमीन केवल संसाधन नहीं बल्कि हमारी संस्कृति व सभ्यता की आधारशिला हैं। उन्होंने बढ़ते तापमान, घटते भूजल स्त्रोत, वायु प्रदूषण व जैव

पर्यावरण की पुकारः प्रकृति से प्रेरित-हमारी धरती, हमारा भविष्य

विविधता क्षरण पर चिंता जताते हुए जल संरक्षण, जल संचयन, भूजल पुनर्भरण तथा प्राकृतिक जल स्त्रोतों व आर्द्रभूमियों के संरक्षण पर विशेष जोर दिया। डॉ. पाण्डेय ने नदियों की स्वच्छता को पर्यावरण संरक्षण का

महत्वपूर्ण स्तंभ बताया और भारतीय संस्कृति में नदियों व वनों को मां व देवता रूप में पूजने का महत्व रेखांकित किया। कार्यक्रम में क्वालिटी मैनेजर केमिस्ट श्रुति मिश्रा, निलेश जायसवाल, अंकित यादव, पुष्कर सिंह व स्नातक-परास्नातक छात्र निधि, श्रद्धा, अनमोल, सिद्धार्थ, सुमित, हरिओम तथा शोधार्थी चंद्र भूषण उपस्थित रहे। आयोजकों ने समुदाय आधारित संरक्षण और जागरूकता अभियान तेज करने का संकल्प लिया।

प्रयागराज में प्रजापति समाज के युवक की हत्या पर भागीदारी पार्टी का आक्रोश

डॉ. महेश चंद्रा प्रजापति ने न्याय की मांग उठाई

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जनपद प्रयागराज में बारा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम भीटा निवासी राजेश कुमार प्रजापति की निर्मम हत्या के मामले ने क्षेत्र में गहरा आक्रोश पैदा कर दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही भागीदारी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव डॉ. महेश चंद्रा प्रजापति पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

डॉ. प्रजापति ने कहा कि यह घटना केवल एक व्यक्ति की हत्या नहीं है, बल्कि एक पूरे परिवार के सपनों और भविष्य पर हमला है। उन्होंने बताया कि मृतक राजेश कुमार प्रजापति अपने पीछे 8 वर्ष की पुत्री और 5 वर्ष के पुत्र सहित परिवार को असहाय छोड़ गए हैं।

फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई और कड़ी कार्रवाई की मांग

पत्रकारों से बातचीत के दौरान डॉ. प्रजापति ने जिला प्रशासन से मांग की कि इस जघन्य हत्याकांड की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराई जाए तथा दोषियों को शीघ्र कठोरतम सजा दिलाई जाए। साथ ही उन्होंने पीड़ित परिवार को एक सरकारी नौकरी और एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने की मांग भी रखी।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य आरोपी द्वारा तालाब एवं बंजर भूमि पर अवैध कब्जा कर मकान बनाया गया है। प्रशासन से ऐसे अवैध निमार्णों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई करने की मांग की गई।

कानून-व्यवस्था पर उठाए सवाल

डॉ. प्रजापति ने उत्तर प्रदेश में बढ़ते अपराधों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कमजोर वर्गों और पिछड़े समाजों के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार के साढ़े नौ वर्षों के कार्यकाल में प्रजापति समाज के 138 लोगों की हत्या हुई है। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध नहीं है। भागीदारी पार्टी नेता ने आरोप लगाया कि राज्य में हत्या और अन्य गंभीर अपराधों के मामलों में पीड़ित परिवारों को मिलने वाले मुआवजे और न्याय की प्रक्रिया में जातीय आधार पर भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के वंचित और पिछड़े वर्गों को न्याय पाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

डॉ. प्रजापति ने कहा कि यदि पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय और सम्मानजनक मुआवजा नहीं दिया गया तो भागीदारी पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक जनआंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होगी। उन्होंने कहा कि पार्टी हमेशा अन्याय के खिलाफ संघर्ष करती रही है और आगे भी पीड़ितों की आवाज बनकर उनके साथ खड़ी रहेगी। इस अवसर पर भागीदारी पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें ज्ञान सिंह, सुनील प्रजापति, राजेंद्र प्रसाद प्रजापति सहित सैकड़ों समर्थक और स्थानीय कार्यकर्ता शामिल थे।

प्रयागराज में हुई इस हत्या की घटना ने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और सामाजिक न्याय को लेकर नई बहस छेड़ दी है। पीड़ित परिवार न्याय की प्रतीक्षा कर रहा है, जबकि राजनीतिक दल इस मामले को लेकर प्रशासन पर दबाव बना रहे हैं। अब सभी की निगाहें पुलिस जांच और प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बसंती देवी आईटीआई में वृक्षारोपण कार्यक्रम

-विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर के पक्का पोखरा कौड़ियां स्थित बसंती देवी आईटीआई में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत आम, लीची, नीम सहित विभिन्न फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। संस्थान द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक दिवाकर मिश्र ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि बढ़ते वायु प्रदूषण और लगातार बढ़ रहे तापमान को नियंत्रित करने का सबसे प्रभावी उपाय व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण है। उन्होंने सभी से अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में संस्थान के स्टाफ सदस्य विकास जायसवाल, सुरेंद्र प्रजापति, राजेश यादव, कमलेश यादव, कन्हैया तथा रतन सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अंत में उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण को स्वच्छ, हरित एवं सुरक्षित बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर काशी में हाई अलर्ट, 50 केंद्रों पर 1.32 लाख अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

डीएम-संयुक्त पुलिस अधिकारियों की बैठक में सुरक्षा, ट्रैफिक और नकल रोकने की रणनीति तय

वाराणसी। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की आरक्षी नागरिक पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर वाराणसी में प्रशासन और पुलिस ने पूरी ताकत झोंक दी है। 8, 9 और 10 जून को शहर के 50 परीक्षा केंद्रों पर छह पालियों में 1.32 लाख से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। इसे देखते हुए डीएम सत्येन्द्र कुमार और अपर पुलिस आयुक्त शिवहरी मीणा ने अधिकारियों, केंद्र व्यवस्थापकों और विभागीय अफसरों के साथ संयुक्त बैठक कर व्यापक तैयारियों की समीक्षा की।

प्रत्येक पाली में 22,032 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी केंद्रों पर सीसीटीवी, वीडियोग्राफी, बॉडी वॉर्न कैमरे और ड्रोन निगरानी की व्यवस्था रहेगी। नकल माफिया, सॉल्वर गैंग, फर्जी अभ्यर्थियों और प्रश्नपत्र लीक करने वालों पर विशेष नजर रखी जाएगी। सोशल मीडिया और साइबर सेल भी सक्रिय रहेगी।

परीक्षा केंद्रों के आसपास भारी पुलिस बल, महिला पुलिस, पीएसी और होमगार्ड तैनात किए जाएंगे। रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और प्रमुख चौराहों पर अभ्यर्थियों के लिए सहायता एवं मार्गदर्शन केंद्र बनाए जाएंगे। ट्रैफिक व्यवस्था सुचारु रखने के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान लागू होगा और पार्किंग की अलग व्यवस्था की जाएगी।

डीएम और पुलिस अधिकारियों ने अभ्यर्थियों से समय से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचने, केवल अनुमन्य सामग्री साथ लाने और अफवाहों से दूर रहने की अपील की है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस या प्रशासन को देने को कहा गया है।

एक नजर में

8, 9 और 10 जून को होगी परीक्षा

50 केंद्रों पर आयोजित होगी भर्ती परीक्षा

6 पालियों में होगी परीक्षा

1,32,192 अभ्यर्थियों के शामिल होने का अनुमान

सीसीटीवी, ड्रोन और वीडियोग्राफी से निगरानी

नकल माफिया और सॉल्वर गैंग पर रहेगी विशेष नजर

ट्रैफिक और सुरक्षा के लिए विशेष प्लान लागू होगा।

बिरला नियारा द्वारा मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

मुंबई। जलवायु संरक्षण एवं वैश्विक आवाहन के उद्देश्य से गुरुवार 5 जून 2026 को बिरला नियारा के तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। बिरला नियारा बांध काम स्थल पर उपस्थित सभी मजदूरों को पदाधिकारियों ने विश्व पर्यावरण दिवस पर जलवायु को कैसे सुरक्षित रखा जाए विषय पर अवगत कराया। उक्त समारोह में उपस्थित सभी पदाधिकारियों सहित मजदूरों ने वरली में बैनर सहित फेरी लगाकर आम नागरिकों को भी पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उक्त समारोह में मुख्य रूप से पदाधिकारियों में मुख्य सुरक्षा अधिकारी हरिश खान के साथ विजय मोरे, अभिषेक एवं टर्नर स्टाफ राजेश कुमार ठाकुर, लाइटन स्टाफ विनीश पीवी, कमल शर्मा, किरण कदम, विठ्ठल धुमक, सोनू तिवारी, फिरोज शेख, निशान सिंह, मेहुल कन्क एवं स्वप्निल घन्टे उपस्थित थे।

बिंद समाज विकास संघ एवं आदित्य ज्योत आई अग्रवाल हॉस्पिटल द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच 7 जून को

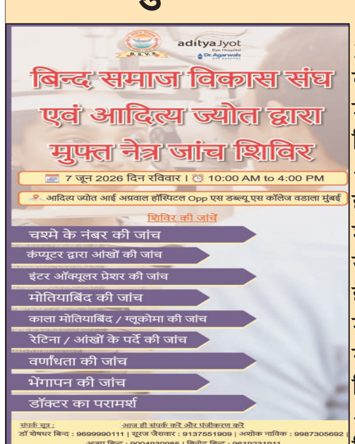
बिन्द समाज विकास संघ एवं आदित्य ज्योत द्वारा मुफ्त नेत्र जांच शिविर

7 जून 2026 दिन रविवार । 10:00 AM to 4:00 PM

आदित्य ज्योत आई अग्रवाल हॉस्पिटल Opp एस डब्ल्यू एस कॉलेज वडाला मुंबई

शिविर की जांचें

- चश्मे के नंबर की जांच
- कंप्यूटर द्वारा आंखों की जांच
- इंटर ऑक्यूलर प्रेशर की जांच
- मोतियाबिंद की जांच
- काला मोतियाबिंद / ग्लूकोमा की जांच
- रेटिना / आंखों के पर्दे की जांच
- वर्णांधता की जांच
- भेंगापन की जांच
- डॉक्टर का परामर्श

संपर्क सूत्र : आज ही संपर्क करें और पंजीकरण करें

डॉ शेषधर बिन्द : 9699990111 | सूरज जैसवार : 9137551909 | अशोक नाविक : 9987305692 | अजय बिन्द : 9004930985 | बिनोद बिन्द : 9619231911

मुंबई, (उत्तरशक्ति)। 7 जून 2026 दिन रविवार को मुंबई वडाला स्टेशन के पास एस आई डब्ल्यू एस कॉलेज के सामने बिंद समाज विकास संघ एवं आदित्य ज्योत आई अग्रवाल हॉस्पिटल, सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक, निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया है, बड़ों में, मोतियाबिंद, काला मोतियाबिंद, भेंगापन, ग्लूकोमा, नजदीक एवं, दूरदृष्टी का कम दिखना, जिसमें सभी प्रकार के आंख के बीमारियों की जांच एवं निशुल्क परामर्श दिया जाएगा। बच्चों में मोबाइल,टीवी, लैपटॉप, जैसे अन्य प्रकार के किरणों से हो रहे, आंखों के दुष्प्रभावों को रोकने के लिए, विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा निःशुल्क जांच परामर्श किया जाएगा, आप सब पहुंचकर , इसका लाभ उठाने की कृपा करें। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ शेषधर बिंद सहित, पूरी बी एस वी एस की टीम आप सभी के सेवा में मौजूद रहेगी।

गोमती में मस्ती बनी मातम: छह दोस्तों पर टूटा नदी का कहर, चार की बची जान, दो लापता

- प्रियेश गुप्ता रुद्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार को गोमती नदी में नहाने गए छह युवकों का मौज-मस्ती का पल अचानक भयावह हादसे में बदल गया। सद्भावना पुल के पास स्थित विसर्जन घाट पर स्नान के दौरान सभी युवक गहरे पानी की चपेट में आ गए। स्थानीय लोगों की सतर्कता से चार युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि दो युवक नदी में लापता हो गए। जानकारी के अनुसार, जफराबाद थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव निवासी दिलीप पटेल (24) पुत्र दशरथ पटेल अपने दोस्तों के साथ गोमती नदी में स्नान करने पहुंचे थे। उनके साथ वाराणसी जनपद के मिजार्मुराद का एक युवक भी मौजूद था, जो अपने मित्र के घर जगदीशपुर आया हुआ था।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, नहाते समय अचानक सभी युवक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। घाट पर मौजूद लोगों ने तत्काल साहस दिखाते हुए चार युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन दो युवक देखते ही देखते नदी की तेज धारा में समा गए। घटना की सूचना मिलते ही शहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने तत्काल गोताखोरों की टीम को बुलाकर लापता युवकों की तलाश शुरू कराई। देर शाम तक दोनों युवकों का कोई सुराग नहीं मिल सका था। हादसे के बाद घाट पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। परिजनों और स्थानीय लोगों की निगाहें अब राहत एवं बचाव अभियान पर टिकी हैं। पुलिस और गोताखोर लगातार नदी में खोजबीन कर रहे हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पुलिस लाइन में हुआ वृहद वृक्षारोपण

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत मंत्री ए.के. शर्मा समेत जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने लगाए पौधे

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को पुलिस लाइन परिसर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 5 जून से 21 जून तक चलाए जा रहे समेकित जनकल्याण एवं जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत ₹एक पेड़ मां के नाम₹ कार्यक्रम में प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता करते हुए कपूर का पौधा रोपित किया।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने नीम, विधायक डॉ. आर.के. पटेल ने पाकड़, पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह ने पाकड़, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने पीपल, भाजपा जिलाध्यक्ष मछलीशहर डॉ. अजय कुमार सिंह ने कचनार तथा नगर पालिका परिषद जौनपुर की अध्यक्ष मनोरमा मौर्य ने चकरेसिया का पौधा लगाया। पूर्व जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने महोगनी, पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने गुलमोहर तथा मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया ने अमलतास का पौधा लगाया। इस दौरान सभी लोगों से ₹एक पेड़ मां के नाम₹ अवश्य लगाने की अपील की गई। अपने संबोधन में प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि पर्यावरण दिवस हमें प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेशभर में वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। जनपद में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप पौधरोपण किया जा रहा है तथा आगामी वषार्काल में इस अभियान को और व्यापक बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण को स्वच्छ एवं संतुलित बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण सबसे सरल और प्रभावी उपाय है। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों को पौधे भेंट कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

इस अवसर पर डीएफओ प्रोमिला, डीडीओ, डीसी मनरेगा, जिला उद्यान अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, जिला सूचना अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। वन विभाग की ओर से क्षेत्रीय वनाधिकारी शालिनी चौरसिया, सुशील मिश्रा, रीता तिवारी, वन दरोगा राजेंद्र प्रसाद यादव, वन रक्षक मारुति वर्मा, लक्ष्मीकांत यादव तथा जिला गंगा समिति के सदस्य भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

पीडीए आंदोलन ही दलितों, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों को सम्मान व भागीदारी दिलाएगा

–मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं भारत किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) आंदोलन सामाजिक न्याय, समान अवसर और राजनीतिक भागीदारी का सबसे सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश की बड़ी आबादी होने के बावजूद दलितों, पिछड़े वर्गों तथा अल्पसंख्यक समाज को उनकी जनसंख्या के अनुपात में सत्ता, प्रशासन, न्यायपालिका, शिक्षा और रोजगार में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाया है।

उन्होंने कहा कि पीडीए आंदोलन का उद्देश्य समाज के वंचित, शोषित और उपेक्षित वर्गों को सम्मानजनक भागीदारी दिलाना तथा संविधान में निहित सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के सिद्धांतों को धरातल पर लागू करना है। यह आंदोलन Dr. Bhimrao Ramji Ambedkar, Kanshi Ram तथा समाजवादी विचारधारा के महान नेताओं के सामाजिक न्याय के सपनों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में पीडीए आंदोलन लगातार मजबूत हो रहा है और देश के करोड़ों दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, किसानों, मजदूरों तथा युवाओं की आवाज बन चुका है। उन्होंने कहा कि जिस समाज की जितनी संख्या है, उसे उतनी भागीदारी मिलनी चाहिए, तभी वास्तविक लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की स्थापना संभव होगी। उन्होंने सभी सामाजिक न्याय समर्थक संगठनों, बुद्धिजीवियों, युवाओं और आम नागरिकों से पीडीए आंदोलन को मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि यही आंदोलन देश में समानता, भाईचारे और संवैधानिक मूल्यों को सशक्त करेगा तथा सामाजिक न्याय की लड़ाई को नई दिशा देगा।

शादी का झांसा देकर युवती से युवक ने किया दुष्कर्म

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय कोतवाली के सरकी चौकी अंतर्गत एक गांव में उस समय एक पिता के पैरों तले से जमीन खिसक गई जब उसे पता चला कि उनकी पुत्री बिन ब्याही ही बच्चे की मां बनने वाली है।आनन - फानन में पिता पुत्री के साथ कोतवाली पहुंच युवक के खिलाफ नामजद तहरीर दी,और आरोप लगाया कि पड़ोसी गांव के एक युवक ने पुत्री को शादी का झांसा देकर,बहला फुसला कर सालों से दुष्कर्म करता रहा,गर्भवती होने पर शादी से इनकार करते हुए गर्भपात कराने की धमकी दी,ऐसा नहीं करने पर परिवार को जान से मारने की धमकी दी।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस पीड़ित के तहरीर के आधार पर मामले की छानबीन में जुट गई।

अनियंत्रित होकर पलटा सरसों तेल लदा ट्रेलर, तीन टैम्पो व एक पिकअप क्षतिग्रस्त

योगीनाथ तिराहे पर तड़के हुआ हादसा, तकनीकी खराबी बनी वजह; जनहानि टली

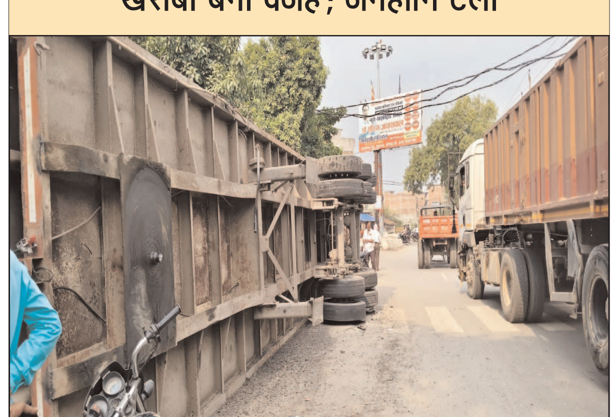

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के योगीनाथ तिराहे पर शुक्रवार तड़के सरसों का तेल लादकर जा रहा एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में वहां खड़े तीन टैम्पो और एक पिकअप वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। दुर्घटना सुबह करीब पांच बजे हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रेलर का संतुलन अचानक बिगड़ गया और वह सड़क किनारे खड़े वाहनों पर पलट गया। बताया जा रहा है कि ट्रेलर में लगा गुल्ला नामक यांत्रिक हिस्सा टूट जाने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिससे हादसा हो गया। दुर्घटना में तीन टैम्पो और एक पिकअप वाहन को भारी नुकसान पहुंचा। हालांकि घटना के समय सड़क पर आवाजाही कम होने के कारण कोई जनहानि नहीं हुई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। दुर्घटना के चलते कुछ समय तक यातायात प्रभावित रहा। क्षतिग्रस्त पिकअप वाहन के मालिक प्रेमचंद ने बताया कि रात में माल उतारने के बाद वाहन सड़क किनारे खड़ा किया गया था। सुबह उन्हें दुर्घटना की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि हादसे में वाहन को काफी नुकसान पहुंचा है। स्थानीय लोगों के अनुसार दुर्घटना से वाहन मालिकों को भारी आर्थिक क्षति हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

केराकत बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री राजेश पांडेय का हृदयगति रुकने से असामयिक निधन

-सरिता यादव

केराकत ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री और क्षेत्र के प्रतिष्ठित अधिवक्ता राजेश कुमार पांडेय (50 वर्ष) का शुक्रवार को दिल का दौरा पड़ने से असामयिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर से स्थानीय विधिक क्षेत्र और तहसील परिसर में शोक की लहर दौड़ गई।

पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, नरहन लुत्तीपुर गांव निवासी श्री पांडेय रोज की तरह सुबह स्नान करने के बाद अपने कमरे में पूजा-पाठ कर रहे थे। इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और वे अचेत होकर गिर पड़े। काफी देर तक जब वे कमरे से बाहर नहीं आए, तो परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। कमरे में जाने पर वे अचेत अवस्था में मिले। परिजन उन्हें आनन-फानन में नजदीकी चिकित्सक के पास ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जैसे ही श्री पांडेय के आकस्मिक निधन की सूचना तहसील मुख्यालय पहुंची, साथी अधिवक्ताओं और वादकारियों में कोहराम मच गया। बार एसोसिएशन के सभागार में आनन-फानन में एक आकस्मिक शोकसभा बुलाई गई। इसमें दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। शोक के चलते अधिवक्ता पूरे दिन न्यायिक कार्य से विरत रहे, जिससे कोर्ट परिसर में सन्नाटा पसरा रहा। बार एसोसिएशन के मौजूदा महामंत्री हिरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि राजेश पांडेय बेहद मिलनसार, कुशल वक्ता और कानून के गहरे जानकार थे। विधिक मामलों में उनकी पकड़ ऐसी थी कि वरिष्ठ अधिवक्ता भी जटिल मुद्दों पर उनसे सलाह लिया करते थे। उनका जाना तहसील बार एसोसिएशन के लिए एक ऐसी अपूरणीय क्षति है, जिसे कभी पूरा नहीं किया जा सकेगा।

मेडिकल कालेज जौनपुर में किया गया वृक्षारोपण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्व पर्यावरण दिवस पर राज्य स्तर पर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने एवं मातृत्व के प्रति सम्मान प्रकट करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे एक पौधा मां के नाम अभियान के अंतर्गत आज मेडिकल कॉलेज, जौनपुर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य, प्रो0 आर0 बी0 कमल, उप प्रधानाचार्य प्रो डा0 आशीष यादव, एवं अन्य चिकित्सा शिक्षक व कर्मचारीगण ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने अपनी माताओं की स्मृति व सम्मान में एक-एक पौधा रोपित किया।

प्रधानाचार्य, प्रो0 आर0 बी0 कमल ने अपने उद्बोधन में कहा कि- मां न केवल जीवन की जननी होती है, बल्कि वह हमारे संस्कारों, मूल्यों और संवेदनाओं की प्रथम शिक्षिका भी होती है। उनके नाम पर पौधा लगाना केवल प्रकृति से जुड़ाव नहीं, बल्कि भावनात्मक कृतज्ञता की भी अभिव्यक्ति है। आज हम सभी मिलकर 500 से अधिक पौधों का वृक्षारोपण करेंगे जिसमें नीम, पीपल, अशोक, आम, अमरूद, आवला एवं छायादार व औषधीय पौधों का रोपण किया जाएगा। एक पौधा मां के नाम- यह केवल एक पर्यावरणीय अभियान नहीं, बल्कि यह हमारी भावनाओं, कर्तव्यों और संस्कारों से जुड़ा एक गहन संदेश है। मां-जो जीवन की जननी है, जो निःस्वार्थ प्रेम, त्याग और ममता की प्रतिमूर्ति है, उनके नाम पर एक पौधा लगाकर हम न केवल प्रकृति को उपहार दे रहे हैं, बल्कि उस देवी स्वरूप मां को भी एक संजीवन श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। जिस प्रकार एक मां अपने बच्चो की देखभाल करती है उसी प्रकार हमें इन पौधों की देखभाल करनी है। अन्त में कार्यक्रम के आयोजक डा0 संजीव यादव का आभार व्यक्त करता हूं और सभी को इस अभियान में सहभागी बनने हेतु बधाई देता हूं। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज परिसर को हरित एवं स्वच्छ बनाने हेतु संकल्प भी लिया गया।

इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षक प्रो0 भारती यादव, डा0 जितेन्द्र कुमार, डा0 चन्द्रभान, डा0 नवीन सिंह, डा0 संजीव यादव, डा0 अर्चना, डा0 प्रियका सिंह, डा0 अरविन्द यादव, डा0 अनिल कुमार, डा0 अवधेश गुप्ता, डा0 प्रतिभा सिंह, डा0 पंकज कुमार, डा0 मिथिलेश, डा0 अनवर सलामत, डा0 जयन्त शर्मा इत्यादि चिकित्सक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

किआ इंडिया ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

मुंबई। किआ इंडिया, जो देश की अग्रणी मास-प्रीमियम कार कंपनी है, ने 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अपने 500 से ज्यादा वर्कशॉप और कॉर्पोरेट ऑफिसों में पर्यावरण के लिए कई पहल किए हैं। ये पहल सस्टेनेबिलिटी, जिम्मेदार व्यावसायिक आचरण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति किआ इंडिया की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती हैं। साथ ही, इनका उद्देश्य ग्राहकों, कर्मचारियों, डीलर पार्टनर्स और स्थानीय समुदायों में जागरूकता बढ़ाना है। इस अभियान के तहत किआ के सेवा केंद्र ग्राहकों की गाड़ी की प्रदूषण जांच मुफ्त में करेंगे और विशेष सत्रों में गाड़ी की देखभाल तथा पर्यावरण पर उसके असर के बारे में जानकारी देंगे। साथ ही, ग्राहकों और कर्मचारियों के बीच पुराने इलेक्ट्रॉनिक सामान के सही निपटान के लिए जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। इन सेवा केंद्रों को पुराने इलेक्ट्रॉनिक सामान जमा करने के अधिकृत केंद्र बनाया गया है और 31 जगहों पर 1,000 किलोग्राम से ज्यादा ई-कचरा इकट्ठा करने का लक्ष्य रखा गया है।

पालघर सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने मुंबई सेंट्रल में DRM के साथ की महत्वपूर्ण बैठक

मुंबई। पालघर के सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने मुंबई सेंट्रल स्थित मंडल रेल प्रबंधक के साथ पश्चिम रेलवे से जुड़े विभिन्न जनहित एवं विकासात्मक मुद्दों पर महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान यात्रियों की सुविधाओं, लंबित विकास परियोजनाओं तथा पश्चिम रेलवे मंडल के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों के नागरिकों को प्रभावित करने वाले विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध सुविधाओं में सुधार, यात्रियों को होने वाली समस्याओं के समाधान, लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने तथा जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर रचनात्मक संवाद किया गया। सांसद डॉ. सावरा ने संबंधित अधिकारियों से इन समस्याओं के समाधान हेतु तत्काल आवश्यक कदम उठाने की मांग की। उन्होंने कहा कि आम यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और रेलवे सेवाओं को अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर अनुवर्ती कार्रवाई की जा रही है। जनहित से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए उनके प्रयास आगे भी जारी रहेंगे। इस अवसर पर विधायक राजन नाईक, भाजपा पालघर जिला अध्यक्ष भरत राजपूत, वसई-विरार समूह नेता अशोक शेलके, महेंद्र पाटिल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पानी की समस्या को लेकर शिवसेना का नगर निगम पर 'तांबरेल मोर्चा', 9 जून को होगा प्रदर्शन

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। भीषण गर्मी और लगातार गहराते जल संकट को लेकर शिवसेना ने मीरा-भायंदर नगर निगम प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। शहर में कई क्षेत्रों में 3 से 4 दिनों तक पानी की आपूर्ति नहीं होने तथा अनियमित जल वितरण के विरोध में शिवसेना 9 जून 2026 को नगर निगम मुख्यालय पर विशाल 'तांबरेल मोर्चा' निकालेगी। इस संबंध में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिवसेना की मीरा-भायंदर महिला जिला आयोजक निशा नरवेकर ने नगर निगम की जल आपूर्ति व्यवस्था को पूरी तरह विफल बताते हुए प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि करों का भुगतान करने के बावजूद नागरिकों को पानी जैसी मूलभूत सुविधा के लिए कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है, जो उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। निशा नरवेकर ने कहा कि शहर के अनेक वार्डों में लगातार 3 से 4 दिनों तक पानी नहीं आता और जहां आपूर्ति होती भी है, वहां पानी का दबाव बेहद कम रहता है। इसके कारण आम नागरिकों, विशेषकर महिलाओं को पानी के लिए दिन-रात परेशान होना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम का जल आपूर्ति नियंत्रण कक्ष केवल दिखावा बनकर रह गया है और नागरिकों की शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। शिवसेना ने घोषणा की है कि 9 जून को सुबह 11 बजे भायंदर पश्चिम स्थित शिवसेना केंद्र कार्यालय से मीरा-भायंदर नगर निगम मुख्यालय तक हजारों नागरिकों, माताओं और बहनों के साथ तांबरेल मोर्चा निकाला जाएगा। पार्टी का कहना है कि यह आंदोलन प्रशासन को जगाने और नागरिकों को उनका अधिकार दिलाने के लिए किया जा रहा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में नगर प्रमुखों ने चेतावनी दी कि यदि आंदोलन के दौरान किसी प्रकार की कानून-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन की होगी। शिवसेना ने शहरवासियों से बड़ी संख्या में आंदोलन में शामिल होकर जल संकट के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की है।

इस अवसर पर महिला जिला आयोजक निशा नरवेकर, जिला प्रमुख राजू भोइर, जिला समन्वयक विक्रम प्रताप सिंह, महिला जिला समन्वयक प्रीति पाटिल, मीरा रोड नगर प्रमुख संतोष गोले, भायंदर पूर्व नगर समन्वयक मनोज राणे, महिला नगर आयोजक पूजा अमगांवकर, भायंदर पश्चिम महिला नगर समन्वयक तेजस्वी पाटिल, प्रवक्ता दीप काकडे, राम भवन शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

इंदौर के शोरूम में लगी भीषण आग, ऊपर फंसे 20 लोगों को बचाया गया

प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर(उत्तरशक्ति)। देश के अलग-अलग हिस्सों में आग की भयानक घटनाएं सामने आ रही हैं। ताजा मामला मध्य प्रदेश के इंदौर से एक ईवी शोरूम का है, जहां भीषण आग ने हड़कंप मचा दिया। आग लगने के बाद बिल्डिंग में 20 से ज्यादा लोग फंस गए। मध्य प्रदेश के इंदौर में शुक्रवार को एक इलेक्ट्रिक वाहन (एव) शोरूम और उससे जुड़े रिपेयर सेंटर में भीषण आग लग गई। आग ग्राउंड फ्लोर पर स्थित शोरूम में लगी थी, जबकि इमारत की ऊपरी मंजिलों पर लोग मौजूद थे। आग और धुएं के कारण करीब 20 लोग इमारत में फंस गए, जिन्हें बाद में सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। घटना कैसे घटी हुई पुलिस विभाग जांच में जुटी हुई है।

मां के नाम रोपे गए हजारों पौधे, हरित काशी का लिया संकल्प

-सुरेश गांधी

वाराणसी। विश्व पर्यावरण दिवस पर वाराणसी में हरित भविष्य का संदेश देते हुए एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत बड़े स्तर पर पौधारोपण किया गया। रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के घाटमपुर गांव में आयोजित कार्यक्रम में रोहनिया विधायक डॉ. सुनील पटेल, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार और मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से फलदार एवं छायादार पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण, जल संरक्षण और स्वच्छ काशी के संकल्प को जन-आंदोलन बनाने पर जोर दिया गया। विधायक डॉ. सुनील पटेल ने कहा कि प्रदूषण मुक्त और हरा-भरा काशी बनाने के लिए जनभागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने लोगों से पौधारोपण को सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाने की अपील की।

जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने के उद्देश्य से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा बहुओं और एएनएम को पौधे वितरित किए। उन्होंने सभी को पौधों के संरक्षण की शपथ दिलाते हुए कहा कि सिर्फ पौधा लगाना ही नहीं, उसकी नियमित देखभाल भी उतनी ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज लगाए गए पौधे आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण और बेहतर जीवन प्रदान करेंगे।

खंड विकास अधिकारी काशी विद्यापीठ ने बताया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में 300 फलदार एवं छायादार पौधे लगाए जा रहे हैं। साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों द्वारा भी प्रति व्यक्ति पांच-पांच पौधे रोपित किए गए हैं। अभियान में जनप्रतिनिधियों, ग्राम पंचायत पदाधिकारियों और स्थानीय लोगों की बड़ी भागीदारी रही। कार्यक्रम ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में नई जागरूकता का संदेश दिया।

रजनीश कुमार प्रजापति कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव मनोनीत

औरैया (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बड़ा झटका लगा है। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा, औरैया के जिला सह-संयोजक, युवा राष्ट्रीय सचिव राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ एवं ऑक्सीजन सर्वजन फाउंडेशन के डायरेक्टर रजनीश कुमार प्रजापति ने भाजपा का दामन छोड़कर कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है। कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के साथ ही उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पिछड़ा वर्ग विभाग ने रजनीश कुमार प्रजापति को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए प्रदेश सचिव पद पर मनोनीत किया है। जारी मनोनयन पत्र के अनुसार, कांग्रेस संगठन की नीतियों एवं सिद्धांतों के अनुरूप पिछड़ा वर्ग के लोगों के कल्याण, सामाजिक उत्थान एवं संगठन विस्तार में उनके योगदान को देखते हुए यह नियुक्ति की गई है। कांग्रेस नेतृत्व ने विश्वास जताया है कि रजनीश कुमार प्रजापति अधिक से अधिक पिछड़ा वर्ग के लोगों को कांग्रेस पार्टी से जोड़कर संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मनोनीत होने पर रजनीश कुमार प्रजापति ने कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व, राष्ट्रीय नेतृत्व एवं प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाज के कमजोर एवं पिछड़े वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाने का कार्य पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करेंगे।

दिंडोशी विधानसभा में भाजपा महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष रंजु झा ने पूरा किया 150 पौधे लगाने का संकल्प

मुंबई। दिंडोशी विधानसभा क्षेत्र में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भाजपा मुंबई महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष श्रीमती रंजु झा के नेतृत्व में “एक पेड़ मां के नाम” अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर 150 पौधे लगाने के संकल्प को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। कार्यक्रम का आयोजन नगरसेविका संगीता जी के नेतृत्व में किया गया, जिसमें जिला अध्यक्ष ज्ञान मूर्ति शर्मा, अजय यादव, सुनील पाल तथा मंडल के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण किया। इस अवसर पर श्रीमती रंजु झा ने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें बड़ा होने तक नियमित देखभाल और संरक्षण देना भी हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अपने आसपास लगे पेड़ों की भी देखरेख करें, ताकि हरियाली बढ़े और पर्यावरण संतुलित बना रहे। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और शुद्ध हवा जीवन की अनमोल दवा है। यदि पर्यावरण लगातार प्रदूषित होता रहा तो आने वाले समय में मानवता को गंभीर संकटों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आना चाहिए। रंजु झा ने सभी नागरिकों से संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें, प्लास्टिक का उपयोग कम करें तथा जल, वायु और भूमि को स्वच्छ बनाए रखने में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को हरित और सुरक्षित भविष्य देना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने संदेश दिया, “प्रकृति हमारा घर है, इसकी रक्षा करना हमारा धर्म है। आइए, पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन के लिए एक सकारात्मक कदम बढ़ाएं। स्वयं भी पौधे लगाएं और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटोरोला एज 70 प्रो प्लस

पटना। मोटोरोला ने अपना नया फ्लैगशिप स्मार्टफोन मोटोरोला एज 70 प्रो प्लस लॉन्च किया। यह स्मार्टफोन प्रो-ग्रेड फोटोग्राफी, प्रीमियम डिजाइन, दमदार परफॉर्मेंस और एडवांस्ड एआई फीचर्स के साथ पेश किया गया है। फोन में क्वाड 50 एमपी प्रो-ग्रेड कैमरा सिस्टम दिया गया है, जिसमें 50 एमपी सोनी लिटिया 710 मुख्य कैमरा, 50 एमपी 3.5एक्स पेरिस्कोप टेलीफोटो कैमरा, 50 एमपी अल्ट्रा-वाइड प्लस मैक्रो विजन कैमरा और 50 एमपी ऑटोफोकस सेल्फी कैमरा शामिल हैं। सभी कैमरे 4के 60 एफपीएस वीडियो रिकॉर्डिंग को सपोर्ट करते हैं। मोटोरोला एज 70 प्रो प्लस में 6.8 इंच सुपर एचडी प्लस एक्सट्रीम अमोलेड 144एचजेड 1.5के क्वाड-कर्व्ड डिस्प्ले दिया गया है, जिसमें 5200 निट्स पीक ब्राइटनेस, एचडीआर10 प्लस और गोरिल्ला ग्लास 7आई प्रोटेक्शन मिलता है।

काशी में योगीमय हुआ जन्मोत्सव, हनुमान स्वरूप में निकली शोभायात्रा

व्यापारियों ने टॉफियां बांटीं, मंदिरों में हुआ पूजन-अर्चन, जगह-जगह वृक्षारोपण व सेवा कार्यय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 54वें जन्मदिवस पर शहरभर में आयोजित हुए दर्जनों कार्यक्रम

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन पर शुक्रवार को धर्मनगरी काशी पूरी तरह योगीमय नजर आई। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में धार्मिक अनुष्ठान, वृक्षारोपण, सेवा कार्य, केक कटिंग, प्रसाद वितरण और शोभायात्राओं का आयोजन किया गया। व्यापारिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों ने अपने-अपने ढंग से मुख्यमंत्री के दीघार्यु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। सबसे आकर्षक आयोजन वाराणसी व्यापार मंडल की ओर से किया गया। चंदुआ सट्टी स्थित हनुमान मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रतीक स्वरूप एक कार्यकर्ता ने हनुमान रूप धारण कर विशेष पूजा-अर्चना की। मंदिर में आरती, दर्शन-पूजन के बाद सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ भी किया गया. इसके बाद टॉफियां बांटते हुए शोभायात्रा निकाली गई, जो चंदुआ सट्टी से सिगरा गांधी नगर तक पहुंची। यात्रा के दौरान लोगों ने मुख्यमंत्री के समर्थन में नारे लगाए और उनके सुशासन की सराहना की। वाराणसी व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश को विकास, सुरक्षा और सुशासन की नई पहचान दी है। उनके नेतृत्व में प्रदेश निवेश, कानून व्यवस्था और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के झंडे का अपमान किसी भी हाल में सहन नहीं किया जायेगा. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में व्यापारी, युवा और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वहीं दूसरी ओर पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री सरवर सिद्दीकी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के जन्मदिवस पर वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में श्रीमती संगीता खन्ना, राजीव विश्वकर्मा, आशीष चैहान, मुमताज अंसारी, आदिल अंसारी, प्रधान मोहम्मद याकूब, समाजसेवी मुश्ताक अंसारी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

भाजपा जिला कार्यालय रोहनिया में वृक्षारोपण व एक दुसरे को मिठाईयां बांटी गयी. इस दौरान पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे. इसके अलावा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में रक्तदान शिविर, गरीबों को भोजन वितरण, पौधारोपण, सुंदरकांड पाठ, हवन-पूजन और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मंदिरों में मुख्यमंत्री की लंबी आयु और प्रदेश की निरंतर प्रगति के लिए विशेष प्रार्थनाएं की गईं। दिनभर चले आयोजनों ने यह संदेश दिया कि काशी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति लोगों का जुड़ाव केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक भावनाओं से भी जुड़ा हुआ है।

एचपीसीएल ने सतत पैकेजिंग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को किया रेखांकित

मुंबई। इस विश्व पर्यावरण दिवस पर, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), एक महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, स्वच्छ, हरित और अधिक जिम्मेदार भविष्य के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराता है। एचपीसीएल के लिए पर्यावरण संरक्षण केवल एक नारा नहीं, बल्कि नवाचार, जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण पर आधारित एक सतत दृष्टिकोण है। एचपी लुब्रिकेंट्स अपने पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए सतत पैकेजिंग समाधानों को अपनाने की दिशा में ठोस कदम उठा रहा है। अपने लुब्रिकेंट पोर्टफोलियो में एचपीसीएल ने सफलतापूर्वक प्लास्टिक पैकेजिंग में 30% से 40% पोस्ट कंज्यूमर रिसाइकल्ड सामग्री का उपयोग शुरू किया है, जिससे वर्जिन प्लास्टिक पर निर्भरता कम हुई है और सर्कुलर इकोनॉमी के प्रति उसकी प्रतिबद्धता और मजबूत हुई है। इस प्रतिबद्धता को एक कदम आगे बढ़ाते हुए, एचपी रेसर ग्रीन अब 100% पीसीआर पैकेजिंग में उपलब्ध है। यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो इस विश्वास को दशार्ती है कि उच्च प्रदर्शन और पर्यावरणीय जिम्मेदारी साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं। यह पहल दशार्ती है कि नवाचार ऐसे उत्पाद विकसित कर सकता है जो इंजन की सुरक्षा के साथ-साथ पर्यावरण की भी रक्षा करें। इसके अतिरिक्त, एचपीसीएल 100% पुनर्चक्रण योग्य टिन पैक के निर्माण के माध्यम से सतत पैकेजिंग को बढ़ावा दे रहा है। यह जिम्मेदार संसाधन उपयोग, वजन और अपशिष्ट में कमी तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है, जबकि पैकेजिंग की गुणवत्ता और प्रदर्शन भी बरकरार रखता है। यह पहल मिशन लाइफके राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप है। सर्कुलरिटी को अपनाकर और जिम्मेदार संसाधन उपयोग को बढ़ावा देकर, एचपीसीएल ऐसे भविष्य में योगदान दे रहा है जहां विकास और स्थिरता साथ-साथ चलते हैं।

स्नेहधारा और फिनब्रोज ने समाजहित में मिलाया हाथ, शुरू किया विशेष सेवा अभियान

ठाणे। गुरुग्राम स्थित स्नेहधारा चैरिटी काउंसिल और फिनब्रोज कैपिटल एडवाइजरी प्रा. लि. ने अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए ठाणे और टिटवाला क्षेत्र के बेघर एवं वंचित बच्चों के लिए कार्यरत जीवन संवर्धन फाउंडेशन के सहयोगार्थ एक विशेष सहायता अभियान आयोजित किया। इस पहल के अंतर्गत दोनों संस्थाओं के स्वयंसेवकों ने समन्वय स्थापित कर जीवन संवर्धन फाउंडेशन के केंद्र में 2 वॉटर प्यूरिफायर और 76 स्कूल बैग वितरित किए। इस प्रयास का उद्देश्य बच्चों की शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग प्रदान करना था। साथ ही यह सुनिश्चित किया गया कि यह सहायता प्रभावी रूप से जरूरतमंद बच्चों तक पहुंचे। यह पहल ठाणे के औद्योगिक और सामाजिक क्षेत्र में बढ़ रही सामुदायिक सेवा एवं सामाजिक योगदान की संस्कृति का प्रतीक है। स्नेहधारा और फिनब्रोज ने केवल आर्थिक सहायता प्रदान करने तक स्वयं को सीमित नहीं रखा, बल्कि अपने कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को भी इस अभियान में सक्रिय रूप से शामिल किया। इससे यह पहल अधिक सार्थक, सहभागितापूर्ण और जरूरतमंदों तक सीधे सहायता पहुंचाने वाली साबित हुई। स्नेहधारा के प्रवक्ता रमीज सैयद ने कहा, समाज को वापस देना केवल दान का कार्य नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है, जिसे हम गर्व के साथ निभाते हैं। जीवन संवर्धन फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्य को देखकर हमारे स्वयंसेवक बेहद प्रेरित हुए हैं। यह पहल हमारे सहयोग की केवल शुरूआत है और भविष्य में भी हम ऐसे सामाजिक कार्यों को निरंतर समर्थन देते रहेंगे। फिनब्रोज के प्रवक्ता सरफराज अंसारी ने कहा,फिनब्रोज में हमारा मानना है कि वास्तविक प्रगति केवल आर्थिक नहीं होती, बल्कि मानवीय मूल्यों से भी जुड़ी होती है। स्नेहधारा के साथ इस पहल में भागीदारी करना हमारे लिए स्वाभाविक था। जीवन संवर्धन फाउंडेशन के कार्यों को नजदीक से देखने के बाद समाज के लिए और अधिक योगदान देने का हमारा संकल्प और मजबूत हुआ है।

टोयोटा ने पेश किया न्यू इनोवा क्रिस्टा

मुंबई। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज भारत की सबसे पसंदीदा एमपीवी न्यू इनोवा क्रिस्टा लॉन्च करने की घोषणा की है। इसमें नए बोल्ड डिजाइन एलिमेंट्स और अतिरिक्त सुविधाएँ शामिल हैं। टोयोटा की एवर बेटर कार्स फिलॉसफी और मजबूत कस्टमर-फर्स्ट अप्रोच के अनुरूप, यह नवीनतम अपग्रेड बदलती ग्राहक अपेक्षाओं को ध्यान में रखकर सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है। इससे लाखों भारतीय परिवारों के लिए भरोसेमंद मोबिलिटी पार्टनर के रूप में इसकी विरासत और मजबूत होगी। दो दशकों से अधिक की अनमैच्ड और अनराइवल्ड यात्रा से आकार पाई इनोवा क्रिस्टा भारत की सबसे पसंदीदा एमपीवी बनी हुई है, जो अपनी भरोसेमंद परफॉर्मेंस, आराम, सुरक्षा, लक्जरी और पावर के लिए जानी जाती है। इस मजबूत नींव पर आधारित न्यू इनोवा क्रिस्टा टोयोटा की निरंतर सुधार की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। इसमें चुनिंदा ग्रेड्स में अतिरिक्त फीचर्स दिए गए हैं, जो फंक्शनल और एस्थेटिक एन्हांसमेंट्स का सोच-समझकर किया गया मेल हैं। इन बदलावों का उद्देश्य ड्राइविंग अनुभव को और ऊँचा उठाना है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, सबरी मनोहर, एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट सेल्स, सर्विस और यूज्ड कार बिजनेस, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने कहा, ब्रांड इनोवा की 13 लाख से अधिक यूनिट्स की बिक्री के साथ, इनोवा क्रिस्टा ने एमपीवी सेगमेंट में अपनी दो दशक लंबी विरासत के जरिए रिलायबिलिटी, कम्फर्ट और वैल्यू के अनमैच्ड बेंचमार्क स्थापित किए हैं। रिफ्रेश्ड न्यू इनोवा क्रिस्टा में सूक्ष्म लेकिन सार्थक अपडेट्स दिए गए हैं, जो नई ताजगी का अहसास कराते हैं, जबकि वे अनराइवल्ड क्वालिटीज बरकरार रखते हैं जिन्हें ग्राहक सबसे अधिक महत्व देते हैं। निरंतर सुधार और कस्टमर-सेंट्रिक इनोवेशन से प्रेरित होकर, हम जीवन के हर चरण में भरोसेमंद मोबिलिटी देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। टोयोटा इनोवा क्रिस्टा प्लेटिनम व्हाइट पर्ल, सुपर व्हाइट, सिल्वर मेटैलिक, एटीट्यूड ब्लैक माइका और अवांट-गार्ड ब्रॉन्ज मेटैलिक कलर विकल्पों में उपलब्ध है। यह आकर्षक शुरूआती कीमत पर एक्सेप्शनल वैल्यू प्रदान करती है। टोयोटा इनोवा क्रिस्टा ने लाखों भारतीय परिवारों और व्यवसायों के लिए एक भरोसेमंद साथी के रूप में मजबूत विरासत बनाई है। टोयोटा के भरोसेमंद 2.4-लीटर डीजल इंजन और मैनुअल ट्रांसमिशन से लैस यह एमपीवी मजबूत लो-एंड परफॉर्मेंस, स्मूद ड्राइवेबिलिटी और लंबी दूरी की यात्रा में आराम प्रदान करती है। साथ ही यह 15 ॅ/' तक की सर्टिफाइड फ्यूल एफिशिएंसी देती है। आराम, प्रैक्टिकलिटी और एडैप्टेबिलिटी का सहज मेल देने के लिए डिजाइन की गई इनोवा क्रिस्टा में विशाल केबिन है, जिसमें फ्लेक्सिबल सीटिंग, सभी रो के लिए एफिशिएंट एयर-कंडीशनिंग और लंबी यात्राओं के लिए पर्याप्त हेडरूम व लेगरूम दिया गया है। इंटीरियर में प्रीमियम फिनिश और फंक्शनल डिजाइन का मेल है। टेक्नोलॉजी और सुविधा फीचर्स जैसे टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम स्मार्टफोन कनेक्टिविटी के साथ और स्टीयरिंग-माउंटेड कंट्रोल्स उपयोगिता को बढ़ाते हैं, बिना आसानी से इस्तेमाल करने की क्षमता से समझौता किए। सुरक्षा के मामले में इनोवा क्रिस्टा एडवांस्ड टेक्नोलॉजी से लैस है, जिसमें सात एयरबैग्स, एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (अइर), व्हीकल स्टेबिलिटी कंट्रोल, हिल स्टार्ट असिस्ट कंट्रोल, इलेक्ट्रॉनिक ब्रेक फोर्स डिस्ट्रीब्यूशन और ब्रेक असिस्ट शामिल हैं। यह परिवार और प्रोफेशनल उपयोग दोनों के लिए पीस ऑफ माइंड सुनिश्चित करती है।

ऑसम ओनरशिप एक्सपीरियंस: टोयोटा की व्यापक ओनरशिप ऑफरिंग्स से समर्थित न्यू इनोवा क्रिस्टा फ्लेक्सिबल फाइनेंस स्कीम्स के साथ आती है, जिनमें 7 साल तक की अवधि, लो-एटक प्लान्स और टोयोटा स्मार्ट फाइनेंस (बैलून फाइनेंस) शामिल हैं। इसके साथ एक्सप्रेस मेंटेनेंस सर्विस, 24७7 रोडसाइड असिस्टेंस और 3 साल/1,00,000 किमी की स्टैंडर्ड वारंटी दी गई है, जिसे 5 साल/2,20,000 किमी तक बढ़ाया जा सकता है। यह सब मिलकर लंबे समय तक वैल्यू और भरोसेमंद ओनरशिप एक्सपीरियंस सुनिश्चित करता है।

मुंगरा बादशाहपुर की नाबालिग किशोरी 48 घंटे में लखनऊ से बरामद

-विष्णुकांत मिश्रा

मुंगरा बादशाहपुर। जनपद जौनपुर के मुंगरा बादशाहपुर नगर के कटरा मोहल्ला (राधेश्याम कॉलोनी) की निवासी किशोरी की कुछ माह पहले इंस्टाग्राम पर बाराबंकी के मनीष कुमार से दोस्ती हुई थी। मैसेंजर से शुरू हुई यह बातचीत धीरे-धीरे मोबाइल कॉल और फिर प्रेम प्रसंग में बदल गई। बीते शनिवार शाम किशोरी अपने घर से लापता हो गई, जिसके बाद परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने अपहरण का मुकदमा दर्ज किया।

जांच के दौरान सामने आया कि किशोरी मनीष के साथ जंघई जंक्शन पहुंची थी। वहां से वे प्रयागराज होते हुए मुंबई चले गए, जहां मनीष का दोस्त राकेश रहता था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की।तत्काल दूसरी टीम दिल्ली के लिए रवाना की गई। इसी बीच, प्रेमी युगल की लोकेशन लखनऊ में मिली, जिससे जांच की दिशा बदल गई। सीओ प्रतिमा वर्मा ने बिना देरी किए जीआरपी लखनऊ से संपर्क किया। जीआरपी ने चारबाग स्टेशन पर घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। तीसरी टीम ने लखनऊ पहुंचकर आरोपी और किशोरी को अपनी हिरासत में ले लिया, जिससे किशोरी की सकुशल बरामदगी सुनिश्चित हुई। किशोरी के लापता होते ही नगर में कुछ लोगों द्वारा अफवाहें फैलाई गईं और माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया गया। हालांकि, आरोपी मनीष कुमार के होने की पुष्टि होते ही इन अफवाहों पर विराम लग गया और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के प्रयास विफल हो गए।

सीओ प्रतिमा वर्मा और थानाध्यक्ष अश्विनी दूबे ने बताया कि आरोपी मनीष कुमार को पॉक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है और किशोरी पूरी तरह सुरक्षित है। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में अफवाह फैलाने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की इस तत्परता और 48 घंटे के भीतर किशोरी की बरामदगी पर परिजनों ने पुलिस टीम की सराहना की है।तत्काल दूसरी टीम दिल्ली के लिए रवाना की गई। इसी बीच, प्रेमी युगल की लोकेशन लखनऊ में मिली, जिससे जांच की दिशा बदल गई। सीओ प्रतिमा वर्मा ने बिना देरी किए जीआरपी लखनऊ से संपर्क किया।

जीआरपी ने चारबाग स्टेशन पर घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। तीसरी टीम ने लखनऊ पहुंचकर आरोपी और किशोरी को अपनी हिरासत में ले लिया, जिससे किशोरी की सकुशल बरामदगी सुनिश्चित हुई। किशोरी के लापता होते ही नगर में कुछ लोगों द्वारा अफवाहें फैलाई गईं और माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया गया। हालांकि, आरोपी मनीष कुमार के होने की पुष्टि होते ही इन अफवाहों पर विराम लग गया और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के प्रयास विफल हो गए। सीओ प्रतिमा वर्मा और थानाध्यक्ष अश्विनी दूबे ने बताया कि आरोपी मनीष कुमार को पॉक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है और किशोरी पूरी तरह सुरक्षित है। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में अफवाह फैलाने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की इस तत्परता और 48 घंटे के भीतर किशोरी की बरामदगी पर परिजनों ने पुलिस टीम की सराहना की है।

यूपीएल को भारत में बायोक्लासिक के लिए मिला एफसीओ पंजीकरण

मुंबई। वहनीय कृषि उत्पादों के लिहाज से वैश्विक नेतृत्व वाली कंपनी, यूपीएल को अपनी सहायक कंपनी, एसडब्ल्यूएएल के जरिए, बायोक्लासिक~ के लिए फर्टिलाइजर कंट्रोल ऑर्डर (एफसीओ) पंजीकरण मिला है। बायोक्लासिक~ एनपीपी का प्रमुख बायोस्टिमुलेंट (पौधों की वृद्धि में सहायक) है। गौरतलब है कि एनपीपी, यूपीएल का पौधों की सुरक्षा करने वाले प्राकृतिक जैव समाधान से जुड़ा कारोबार है। यूपीएल को मिले इस पंजीकरण से, अब बायोक्लासिक~ देश भर के किसानों के लिए उपलब्ध होगा। इस उपलब्धि के साथ, यूपीएल को देश के तेजी से बढ़ते जैव समाधान (बायोलॉजिकल्स) खंड में विज्ञान-आधारित, नियमों का पालन करने वाले नेतृत्व के तौर पर अपनी स्थिति को और मजबूत करने में मदद मिलेगी। बायोक्लासिक~ को विशेष किस्म की फर्मेंटेशन (किण्वन) प्रक्रिया के जरिये घुलनशील घोल (कंसंट्रेट) के रूप में तैयार किया गया है। इस बायोस्टिमुलेंट को पौधे के बढ़ने के चरण (वेजिटेटिव स्टेज) के दौरान दो बार, बहुत कम मात्रा में इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है, ताकि पौधे की शाखें तेजी से फैले और पौधों को प्रकाश संश्लेषण (फोटोसिंथेसिस) में तीव्रता प्रदान की जा सके इससे जरूरी तत्वों का संचय बढ़ता है, पौधों का स्वस्थ्य बढ़ता हैं, तनाव कम होता है और पैदावार बढ़ती है। बायोक्लासिक~ के परीक्षण (फील्ड ट्रायल) के दौरान पाया गया कि यह अलग-अलग तरह की जलवायु और मिट्टी की स्थितियों में समान रूप से असरदार है। इस बायोस्टिमुलेंट को पारंपरिक स्प्रेयर के जरिये इस्तेमाल करना बेहतर होता है। साथ ही, जहां अनुमति हो वहां लागू एसओपी के अनुसार ड्रोन-आधारित प्लेटफॉर्म के जरिये भी इसका उपयोग किया जा सकता है। यूपीएल एसएएस के सीईओ, रविशंकर चेरुकुरी ने कहा, भारतीय किसानों को अक्सर विभिन्न किसम की चुनौतियों का सामना करना पड़ता हैं।